सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 82 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 04 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

गुरुदेव के आशीर्वाद से खरतरगच्छ राष्ट्रीय कैलेण्डर का विमोचन

रायपुर। खरतरगच्छाधिपति आचार्य जिनमणि प्रभ सूरीश्वर द्वारा प्रतिष्ठित सीमंधर स्वामी जैन मंदिर एवं चमत्कारी जैन दादाबाड़ी में खरतरगच्छ युवा परिषद द्वारा प्रकाशित कैलेंडर का विमोचन ट्रस्ट अध्यक्ष संतोष बैद, महासचिव महेन्द्र कोचर, ट्रस्टी नीलेश गोलछा एवं डॉ. योगेश बंगानी की उपस्थिति में दादागुरुदेव के आशीर्वाद से संपन्न हुआ।

नए साल के पहले 3 दिनों में सड़क हादसों ने ली 5 लोगों की जान

रायगढ़। सड़क सुरक्षा माह के पहले तीन दिनों में पांच लोगों की मौत सड़क हादसे में हो गई। 1 जनवरी को कांशीराम चौक निवासी संजय कुमार कुर्मी और लोईंग निवासी केशव मेहर फायर ब्रिगेड कार्यालय के सामने ट्रक से टकरा गए। केशव पहिए के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं लैलूंगा थाना क्षेत्र में 3 जनवरी को ग्राम तोलमा निवासी डोमिनिक टोप्पो (30) और संजय मिंज (32) बाइक से घर लौट रहे थे। ग्राम बीरसिंघा के पास हाईवा ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इसी तरह सिटी कोतवाली क्षेत्र के उर्दना तिराहा पर भेलवाटिकरा निवासी जीवन बरेठ (28) अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मारा गया।

एसआईआरः रायपुर जिले से कटेंगे 5 लाख 11 हजार वोटरों के नाम

रायपुर। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान जारी हुई प्रारंभिक मतदाता सूची के अनुसार रायपुर जिले में कुल 5 लाख 11 हजार 136 वोटरों के नाम कटेंगे। इनमें 84 हजार 2 वोटरों की डेथ हो चुकी है, वहीं 3 लाख 87 हजार 330 वोटर दूसरे जिलों के रहवासी हो चुके हैं। हालांकि इन वोटरों को फार्म-6 भराए जा रहे हैं। इसके अलावा 23 हजार 180 वोटरों को ढूंढा नहीं जा सका है, जबकि 14 हजार 311 पहले से ही नामांकित हैं। इसी प्रकार 2 हजार 313 वोटरों के नाम अन्य कारणों से कटेंगे। हालांकि मृत वोटरों को छोड़कर अन्य वोटरों के पास एसआईआर सूची में नाम शामिल कराने का अभी भी मौका है। इसके लिए उन्हें आयोग द्वारा निर्धारित फार्म भरकर प्रमाणिक दस्तावेज जमा करने होंगे। एसआईआर के बाद मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन तथा जिला निर्वाचन आयोग कार्यालय से मिले आंकड़ों के अनुसार एसआईआर के दौरान 23 दिसंबर 2025 की स्थिति में रायपुर जिले के सातों विधानसभा क्षेत्र तथा बलौदाबाजार सहित 8 विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कुल 2484 मतदान केंद्रों में कुल वोटरों की संख्या 14 लाख 89 हजार 251 है। इनमें पुरुष वोटर 739821, महिला वोटर 749309 तथ अन्य 121 हैं।

अग्निवीर भर्ती रैली के लिए सेना ने जारी किए एडमिट कार्ड

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ में जनवरी 2026 में आयोजित होने वाली अग्निवीर भर्ती रैली के लिए भारतीय सेना द्वारा प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) जारी कर दिए गए हैं। सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर द्वारा यह भर्ती रैली 10 से 24 जनवरी 2026 तक इंडोर स्टेडियम, धमतरी में आयोजित की जाएगी, जिसमें छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के पुरुष अभ्यर्थी भाग लेंगे। इस भर्ती रैली के अंतर्गत अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर तथा अग्निवीर ट्रेड्समैन (10वीं एवं 8वीं पास) पदों के लिए चयन प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेना द्वारा 30 जून 2025 से 10 जुलाई 2025 तक ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में सफल अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता परीक्षा सहित अन्य भर्ती प्रक्रियाओं में भाग लेने के पात्र होंगे।

देवभोग बनेगा छत्तीसगढ़ का दुग्ध ब्राण्ड, 'कड़कनाथ' की भी बढ़ी डिमांड

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन के वृद्धि में कई उपाय किए जा रहे हैं। देवभोग को लोकप्रिय ब्रांड बनाने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय नेशनल डेयरी बोर्ड से अनुबंध कर दुग्ध उत्पादन दी दिशा में नया कदम उठाया जाएगा।

संवाद आडिटोरियम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए पशु, कृषि, दुग्ध उत्पादन मंत्री रामविचार नेताम ने उक्त बातें कहीं। उन्होंने बताया कि नवीन दुग्ध समितियों का गठन किया गया है। जिसमें 336 का पंजीयन हुआ है। नवीन आधुनिक संयंत्र की स्थापना जिसमें 26 हजार किलोग्राम प्रतिदिन क्षमता बेमेतरा में 4 हजार लीटर प्रति दिवस क्षमता का संयंत्र, अस्मिता दुग्ध उत्पादन संगठन में 800 गांवों 32 हजार महिलाओं कार्यकर्ताओं से एक लाख लीटर दुग्ध का संकलन, 2 हजार लीटर का शीतलीकरण जशपुर में स्थापित किया गया है। 50 समितियों ने दुग्ध संकलन की स्थापना की गई है। अंजोरा में पशु चिकित्सा

महाविद्यालय खोला गया है जिसमें 884 छात्र अध्ययनरत है। सरगुजा बकरी, सोनकुकरी तथा मछली पालन के क्षेत्र में नए कार्य किए जा रहे हैं। मत्स्य सहकारी समितियों को 3 लाख का अनुदान दिया जा रहा है। कैज कल्चर को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बेस्ट इनलैंड डिस्ट्रिक्ट पुरस्कार

छत्तीसगढ़ राज्य के कांकेर जिले को उत्कृष्ट मछली पालन कार्य हेतु विश्व मात्स्यिकी दिवस पर वर्ष 2024 में भारत शासन द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार बेस्ट इनलैंड डिस्ट्रिक्ट पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

बेस्ट फिश फार्मर प्रमाणपत्र 2025

मछली पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2025-26 में सुखदेव दास, रायपुर एवं अब्दुल जमील, महासमुंद को राष्ट्रीय मछुआ दिवस के अवसर पर बेस्ट, फिश फार्मर प्रमाणपत्र से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, अंतरदेशीय मत्स्यिकी अनुसंधान संस्थान बैरकपुर द्वारा सम्मानित किया गया।

नक्सल सरेंडर के लिए पहली बार बना ग्रीन कॉरीडोर, देवा ने तेलंगाना में किया समर्पण

नवम्बर में छत्तीसगढ़ ने दिया था सेफ-पास, जनवरी में साथियों सहित हैदराबाद में किया समर्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। इरादे नेक हों तो कभी-कभी ऐसा भी करना पड़ता है। आम तौर पर मरीज या ब्रेन-डेड मरीज के अंगों को दूसरे अस्पताल पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरीडोर बनाया जाता है। पर इस बार छत्तीसगढ़ ने एक दुर्दांत नक्सली को आत्मसमर्पण का मौका देने के लिए ग्रीन कॉरीडोर बनाया। इसके बाद हिड़मा का साथी देवा बारसे (49) एनकाउंटर के भय से मुक्त होकर तेलंगाना पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया।

देवा बारसे ने शनिवार को हैदराबाद में सरेंडर कर दिया। बस्तर में नक्सलियों की सबसे खतरनाक टीम बटालियन नंबर-1 का कमांडर इन चीफ देवा बारसे गुरिल्ला युद्धकला में निपुण है। वह अपने 19 साथियों के साथ तेलंगाना पहुंचा था।

जबकि, यूएस मेड कॉल्ट एम-4 भारत में फोर्स के पास न के बराबर है। नक्सलियों ने 20 लाख 30 हजार रुपए कैश भी पुलिस को सौंपे हैं। अब तावोर और कॉल्ट जैसी विदेशी राइफल मिलने से इस बात का भी संकेत है कि हथियार सप्लाई में नक्सलियों का नेटवर्क काफी बड़ा रहा है। यह सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा रहा है।

देवा को साल 2023 में बटालियन नंबर 1 का चीफ बनाया गया था। इससे पहले वह दरभा डिवीजन का सचिव था। साल 2013 में इसी दरभा घाटी में झीरम में कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर नक्सलियों ने हमला किया था। अब देवा के सरेंडर के बाद पूछताछ में झीरम हमले का राज भी खुल सकता है।

तेलंगाना के डीजीपी ने कहा कि यह सरेंडर सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई और सरकार की पुनर्वास नीति की सफलता है। उन्होंने बाकी बचे नक्सलियों से भी हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने की अपील की है। कुछ समय पहले देवजी की लोकेशन तेलंगाना-आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के ट्राई जंक्शन में थी। हालांकि वह बार-बार ठिकाने बदल रहा था।

पूर्वती का निवासी है देवा

देवा बारसे सुकमा जिले के पूर्वती गांव का रहने वाला है। वह हिड़मा का करीबी साथी था। हिड़मा ने उसे 2003 में बटालियन नंबर 1 का कमांडर इन चीफ बनाया था। 18 नवंबर को हिड़मा के एनकाउंटर के बाद इसने संगठन छोड़ने का निर्णय ले लिया था। देवा ने सरेंडर करने का संदेश जंगल से बाहर भी भिजवाया था। नवंबर के अंतिम सप्ताह में सुकमा जिले में ग्रीन कॉरिडोर भी बनाया गया। तब जानकारी ये थी कि, 3 से 4 दिनों तक जवानों का ऑपरेशन रोका गया। हालांकि, पुलिस के किसी भी अधिकारी ने इसकी पुष्टि नहीं की थी। वहीं देवा बस्तर में सरेंडर नहीं किया और सीधे तेलंगाना की तरफचला गया। इसके बाद 1 जनवरी को देवा तेलंगाना के मुलुगु जिले में पहुंच गया था। वह अपने 19 साथी और करीब 48 हथियार लेकर आया। जिसके बाद पुलिस उन्हें यहां से हैदराबाद लेकर गई। 3 जनवरी को तेलंगाना डीजीपी के सामने ऑफिशियल रूप से सरेंडर करवाया गया। तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र इन 3 राज्यों की पुलिस फोर्स ने सिर्फ देवा पर 75 लाख रुपए का इनाम रखा था।

विदेशी रायफलों के साथ किया समर्पण

देवा आधुनिक तकनीक से लैस इजराइल मेड वेपन तावोर (tavor) असॉल्ट राइफल और अमेरिकन मेड राइफल कॉल्ट M4 अपने साथ लेकर आया। दावा है पहली बार बटालियन टीम से ये विदेशी बंदूकें बरामद की गई हैं। अमूमन भारत में तावोर राइफल इंडियन आर्मी, सीआरपीएफ और कोबरा के जवानों के पास होती है। एके-47 के मुकाबले इसे ज्यादा सटीक माना जाता है।

अब 200 से 300 नक्सली ही शेष बचे

बस्तर के अलग-अलग इलाकों में करीब 200 से 300 आर्म कैडर के नक्सली ही बचे हुए हैं, जो टुकड़ों में यहां-वहां छिपे हुए हैं। नक्सलियों का महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ जोन पूरी तरह से खत्म हो गया है। उत्तर बस्तर और माड़ डिवीजन से भी नक्सलियों का लगभग सफाया हो गया है। समझा जाता है कि पापाराव भी साथियों के साथ दक्षिण बस्तर के जंगलों में ही छिपा हुआ है।

एटीआर के कोर जोन में फायरिंगः राइफल, कार सहित तीन गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। अचानकमार टाइगर रिजर्व (एटीआर) के प्रतिबंधित कोर जोन में भ्रमण करने के लिए पहुंचे सैलानियों ने हथियार लहराते हुए अंधाधुंध फायरिंग की, इसके बाद रील बनाकर सोशल मीडियम में वीडियो वायरल कर दिया, हंगामा मचने के बाद हरकत में आए एटीआर प्रबंधन ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, सभी आरोपियों को 14 दिन की रिमांड में जेल भेज दिया गया है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान अजीत वैष्णव 26 साल, अनिकेत 27 साल और विक्रांत वैष्णव 36 साल के रूप में हुई है। इस मामले में एक नाबालिग आरोपी फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। एक जनवरी से अचानकमार टाइगर रिजर्व के कोर जोन में भ्रमण करने वाले सैलानियों की संख्या काफी बढ़ गई है।

बफर को छोड़कर कोर जोन में शाकाहारी और मांसाहारी वन्यप्राणियों के अलावा टाइगर भी हैं, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं। इन सैलानियों के सामानों की कोई भी जांच बेरियर में नहीं की जाती है।

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सुरही और जाखड़बांधा वन परिक्षेत्र के कोर जोन का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें कुछ युवक लग्जरी गाड़ी के साथ जंगल के भीतर नजर आ रहे थे और उनके पास हथियार भी दिखाई दे रहे थे। वीडियो में युवक बेखौफ होकर फायरिंग करते दिख रहे थे, जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम का सीधा उल्लंघन है।

मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में आते ही विभाग सक्रिय हुआ और आरोपियों की घेराबंदी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। प्रतिबंधित कोर जोन से लगे क्षेत्र में घुसकर हथियार लहराने और फायरिंग करने के मामले में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद विभाग ने त्वरित एक्शन लेते हुए तीन आरोपियों को दबोच लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अजीत वैष्णव 26 साल, अनिकेत 27 साल और विक्रांत वैष्णव 36 साल के रूप में हुई है।

हिन्दू सम्मेलन के बाद अब आरएसएस का 'युवा सम्मेलन'

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह शताब्दी वर्ष है। इसके लिए कई कार्यक्रम तय किए गए हैं। सबसे अहम हिंदू सम्मेलनों का आयोजन है। राजधानी रायपुर में एक बड़ा हिंदू सम्मेलन किया गया। इसमें आरएसएस के प्रमुख डा. मोहन भागवत आए थे। हिंदू सम्मेलन लगातार आरएसएस के मंडलों और शहर की बस्तियों में चल रहे हैं। ये सम्मेलन मकर संक्रांति तक चलेंगे। इसी के साथ इस माह अब युवा सम्मेलनों का भी आगाज होगा। ये सम्मेलन प्रदेश के 221

स्थानों में होंगे। इसका आगाज कब से होगा, इसका फैसला 10 जनवरी को दुर्ग में होने प्रांत की बैठक में होगा।

आरएसएस ने अपने शताब्दी वर्ष में साल भर के लिए कार्यक्रम तय किए हैं। इसका आगाज विजयादशमी से किया गया। विजयादशमी पर आरएसएस हमेशा से पथ संचलन का आयोजन करता है। इस बार दो अक्टूबर को विजयादशमी से लेकर 15 अक्टूबर तक प्रदेश में दो हजार स्थानों पर पथ संचलन का कार्यक्रम किया गया। इसके बाद नवंबर में घर-घर संपर्क अभियान चलाया गया। प्रदेश के हर गांव के हिंदू परिवारों के घरों तक स्वयंसेवक गए और उनको आरएसएस के सौ सालों में किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दी गई। लोगों को संघ का साहित्य भी वितरित किया गया। भारत माता की तस्वीर दी गई। आरएसएस हिंदू समाज को संगठित करने के लिए ही देश भर में हिंदू सम्मेलन आयोजित कर रहा है।

बिलासपुर स्टेशन में शुरू हुआ डिजिटल लॉकर

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक नई और आधुनिक पहल की गई है।स्टेशन परिसर में स्मार्ट डिजिटल लॉकर सेवा का विधिवत शुभारंभ किया गया, जिससे अब यात्रियों को सामान रखने के लिए लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह सुविधा गेट नंबर-01 के पास फुटओवर ब्रिज के नीचे स्थापित की गई है। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान मंडल वाणिज्य प्रबंधक एस. भारतीयन मौजूद रहे, वहीं एक महिला यात्री द्वारा फीता काटकर इस सेवा की शुरुआत की गई। खास बात यह है कि यह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की पहली स्मार्ट डिजिटल लॉकर सुविधा है।

यात्री क्यूआर कोड स्कैन कर या डिजिटल स्क्रीन के जरिए मोबाइल नंबर और OTP के माध्यम से लॉकर बुक कर सकेंगे। भुगतान भी पूरी तरह डिजिटल होगा।

ऑटोमेटेड लॉकिंग सिस्टम से लैस ये लॉकर 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे, जिससे यात्रियों का सामान पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि यात्रियों की बढ़ती जरूरतों और आधुनिक सुविधाओं की मांग को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

गगनयान मिशन से भारत जमाएगा अपनी धाक

नई दिल्ली (ए.)। साल 2026 मानव अंतरिक्ष उड़ान के इतिहास में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होने वाला है। इस वर्ष भारत और अमेरिका दो ऐसे ऐतिहासिक मिशनों की तैयारी कर रहे हैं, जो अंतरिक्ष खोज की दिशा और रफ्तार दोनों बदल देंगे। जहां भारत का गगनयान कार्यक्रम देश को स्वतंत्र मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता वाले चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा करेगा, वहीं अमेरिका का आर्टेमिस-द्वद्व मिशन करीब पांच दशक बाद इंसानों को एक बार फिर पृथ्वी की निचली कक्षा से बाहर यानी गहरे अंतरिक्ष की ओर ले जाएगा।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने महत्वाकांक्षी गगनयान कार्यक्रम के तहत पहला बिना मानव वाला ऑर्बिटल टेस्ट मिशन 'जी1' वर्ष 2026 के मार्च के आसपास लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है।

यह मिशन मानव-रेटेड एलवीएम3 (गगनयान-एमके3) रॉकेट से प्रक्षेपित किया जाएगा और इसे भारत का पहला बड़ा ऑर्बिटल मानव मिशन टेस्ट माना जा रहा है। इस मिशन में 'व्योममित्रा' नामक एक मानवरूपी रोबोट को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, जिसे इस तरह तैयार किया गया है कि वह अंतरिक्ष यात्रियों जैसी गतिविधियों और प्रतिक्रियाओं का अनुकरण कर सके। गगनयान जी1 को लगभग 300 से 400 किलोमीटर की निम्न पृथ्वी कक्षा (एलईओ) में संचालित किया जाएगा, ताकि मानव मिशन से पहले सभी अहम प्रणालियों की कड़ी जांच की जा सके।

गगनयान भारत के लिए केवल एक अंतरिक्ष मिशन नहीं, बल्कि पूरी तरह स्वदेशी मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता का प्रमाण है। इस मिशन के दौरान जीवन-रक्षा प्रणाली, क्रू मॉड्यूल का सुरक्षित वायुमंडलीय पुनः प्रवेश, पैराशूट आधारित समुद्री रिकवरी, मिशन कंट्रोल और संचार व्यवस्था जैसी महत्वपूर्ण प्रणालियों का परीक्षण किया जाएगा।

संपादकीय

अस्तित्व संकट के बीच पारिवारिक एकता का राग

राजनीति के बारे में कहा जाता है कि यहां कोई न तो स्थायी दोस्त होता है और ना ही कोई स्थायी दुश्मन। राजनीति में ऐसे कम ही उदाहरण मिलेंगे,जहां दोस्ती के मूल में दिल का रिश्ता होता है। गौर से देखें तो संभावनाओं, चुनौतियों और अवसरों की बुनियाद पर पर दोस्ती या दुश्मनी के रिश्ते आगे बढ़ते हैं। महाराष्ट्र के दो राजनीतिक परिवारों के मिलन को भी इसी अंदाज और संदर्भ में देखा जाना चाहिए। राज्य का पवार परिवार हो या फिर ठाकरे कुनबा, अगर एक होता नजर आ रहा है या एक हुआ है तो इसका मतलब यह नहीं है कि दोनों परिवारों के प्रमुख अलंबरदारों के दिल मिल चुके हैं। बल्कि राजनीतिक संभावनाओं और अवसरों ने उन्हें एक होने को प्रेरित किया है। चाहे ठाकरे परिवार हो या फिर पवार कुनबा, दोनों में कुछ समानताएं हैं। शरद पवार हों या बाल ठाकरे, एक दौर में दोनों की महाराष्ट्र की राजनीति में तूती बोलती थी। पिछली सदी के आखिरी दशक में तो राजनीतिक हलके का एक बड़ा हिस्सा शरद पवार को देश का भावी प्रधानमंत्री तक मानने लगा था। इसी तरह महाराष्ट्र के टाइगर के रूप में बाल ठाकरे की ख्याति रही। दोनों ही राजनीतिक खानदानों के मुखिया का स्वाभाविक उत्तराधिकारी दोनों के भतीजे ही माने जाते थे। एक दौर तक शरद के उत्तराधिकारी के तौर पर देश और प्रदेश अजित पवार को देखता था। इसी तरह शिवसैनिक भी बाल ठाकरे के भतीजे राज ठाकरे को अगली पीढ़ी का ठाकरे सीनियर मान चुका था। लेकिन जब उत्तराधिकार सौंपने की बारी आई तो पवार ने अपनी बेटी सुप्रिया सुले पर भरोसा जताया और बाल ठाकरे ने अपने छोटे बेटे राज ठाकरे को। ऐसे हालात में अजित और राज ठाकरे को अपना भविष्य चुनौतीपूर्ण लगा, राजनीतिक संभावनाएं कम होती दिखीं तो दोनों ने अपनी राह अलग कर ली। उन्नीस साल पहले राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बना ली तो अजित पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस के मूल धड़े पर ही कब्जा कर लिया। पार्टी के असल संस्थापक शरद पवार पुछल्ला पार्टी लेकर एक तरह से किनारे का दल संभालने लगे। पवार परिवार और ठाकरे कुनबे में बिखराव की कहानी भी अलग-अलग रही। जब तक बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे अपनी शिवसेना को बीजेपी के साथ खड़ा रखे, तब तक तो उनके नेतृत्व को चुनौती नहीं मिली। दल का राज्य में ठीकठाक समर्थन भी रहा। हालांकि महत्वाकांक्षाओं के साथ अलग हुए राज ठाकरे को राजनीतिक सफलताएं न के बराबर मिलीं। लेकिन जब से उद्धव ने बीजेपी को छोड़ कांग्रेस और पवार की एनसीपी का साथ पकड़ा, राजनीतिक मैदान में उसका आधार घटने लगा। वहीं पवार सीनियर से अलग होने के बावजूद बीजेपी के साथ के चलते अजित का राजनीतिक रूतबा कम नहीं हुआ। अलबत्ता कभी भारत के प्रधानमंत्री मैटेरियल देखे जाते रहे वरिष्ठ पवार की सियासी साख घटती चली गई। कुनबे में बिखराव के चलते दोनों परिवारों की राजनीतिक ताकत बीजेपी के सामने बौनी होती जा रही है। एक तरह से कह सकते हैं कि दोनों परिवारों के राजनीतिक अस्तित्व पर ही सवाल उठने लगा है। एक कहावत है, मरता क्या नहीं करता। राजनीतिक अस्तित्व पर जब बन आती है तो कम ही सियासी हस्तियां होती हैं, जो समझौते नहीं करतीं। इसे समझदारी कहें या फिर राजनीति की रवायत, ठाकरे परिवार और पवार कुनबा-दोनों ही एक होने जा रहे हैं। पारिवारिक बिखराव को समेटने की कोशिश तेज हो गई है। ठाकरे बंधु तो बाकायदा प्रेस कांफ्रेंस करके एक हो चुके हैं, जबकि पवार परिवार अपने गढ़ बारामती में एक होने का संकेत दे रहा है। बारामती में हाल ही में पवार परिवार ने एक आयोजन किया, जिसमें आज के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी के मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। इसे पवार कुनबे ने खूब प्रचारित किया। इस प्रचार का संदेश साफ है कि दोनों परिवार एक होने जा रहे हैं। चाहे ठाकरे कुनबा हो या फिर पवार परिवार, अगर दोनों एक हो रहे हैं तो उसकी सिर्फ अस्तित्व की रक्षा भी नहीं है, बीजेपी रूपी चुनौती से पार पाना भी है और मुंबई महानगर पालिका, पुणे महानगर पालिका और पिंपरी चिंचवड़ महानगर पालिका पर कब्जे की चाहत भी है। मुंबई महानगर पालिका का सालाना बजट सत्तर हजार करोड़ रूपए का है। यह रकम उत्तर पूर्व के राज्यों के समूचे बजट से भी ज्यादा बैठती है।

> **“ भारतीय जनता पार्टी का इतिहास देखिए, अपने विस्तार के पहले चरण में वह अपने साथी दलों के सहयोग पर निर्भर रही। बाद के दौर में उसने खुद का प्रभाव बढ़ाया और अपने दम पर वह स्थापित होती चली गई। हरियाणा, उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात के बाद अब इसी तरह वह महाराष्ट्र में वह अपने दम पर उभर चुकी है। जबकि कुछ साल पहले तक महाराष्ट्र में एक तरह से शिवसेना के छोटे भाई की भूमिका में रहती थी। अब चाहे शिवसेना का टूटा हुआ धड़ा हो या अजित पवार वाली एनसीपी, दोनों उसके छोटे भाई की भूमिका में हैं।**

आस्था कोई भी हो मगर इंसान अच्छा हो

विश्वनाथ सचदेव

यदि हिंदू हूं तो अच्छा हिंदू बनूं, मुसलमान हूं तो बेहतर मुसलमान बनूं, ईसाई हूं तो अच्छा ईसाई बनूं। और यह अच्छा होने का मतलब है अच्छा इंसान होना। अच्छा इंसान यानी वह जो अपनी आस्था में पूरा विश्वास रखने के बावजूद दूसरे की आस्था का भी सम्मान करें। लगभग दो दशक पुरानी बात होगी। हमारे समय के एक महत्वपूर्ण संगीतकार खैयाम साहब के साथ कुछ समय बिताने का अवसर मिला था। दूरदर्शन पर एक कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग के बाद लौट रहे थे हम। उस कार्यक्रम में जो वे नहीं कह पाये थे, वही सब बता रहे थे वे। मेरी भूमिका तो सिर्फ श्रोता की थी। अचानक वह बोलते-बोलते रुक गये। कार की खिड़की से दायीं ओर देख रहे थे वे। उनके दोनों हाथ जुड़ गये थे। सिर झुक गया था उनका। मैंने देखा हमारी कार मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर के सामने से गुजर रही थी। 'आपके धर्म में तो मूर्तिपूजा मना है,' मैंने अनायास ही जैसे उनसे पूछ लिया। वे मुस्कुराये, 'आदत है,' उन्होंने कहा। और फिर इसके बाद हम हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर बात करने लग गये थे।

आज जब मैं यह लिख रहा हूं, अचानक मुझे खैयाम की यह बात याद आ गयी। इसके साथ ही एक और बात भी याद आ रही है। मेरी बेटी कान्वेंट स्कूल में पढ़ी हुई है। स्कूल छोड़े उसे दशकों बीत गये। पर अब भी जब वह अपने बचपन के स्कूल के सामने से गुजरती है तो अनायास उसके हाथ 'क्रॉस' बनाने की मुद्रा में हरकत करने लगते हैं। और अपनी बात करूं? मंदिर, मस्जिद, चर्च या गुरुद्वारे के सामने से गुजरते हुए मेरा सर भी, जैसे अपने आप झुक जाता है। और मैं यह भी जानता हूं कि पूजा?हों के प्रति यह रवैया सिर्फ खैयाम, मेरी बेटी, या मेरा ही नहीं है? हम जैसे न जाने कितने हैं जो ऐसा करते हैं। और यह सब अनायास हो जाता है। लेकिन कैसे?

इस सवाल का जवाब तो यही है कि ऐसा करने के लिए किसी ने हमें कहा नहीं। मैंने अपनी बेटी से यह कभी नहीं कहा कि वह ऐसा किया करे। आप चाहें तो इसे संस्कारों का परिणाम कह सकते हैं। यह तो संभव है कि मैंने बेटी से कभी यह कहा हो कि सब धर्म समान होते हैं, पर मुझे याद नहीं पड़ता मैंने कभी उसे समान मानने के लिए भी कहा हो। कम से कम मेरी तरफ से ऐसा कोई दबाव बच्चों पर नहीं डाला गया। मेरे माता-पिता ने भी कभी ऐसा कोई दबाव हम भाई-बहनों पर नहीं डाला।

उस दिन सिद्धिविनायक मंदिर के सामने से गुजरते हुए खैयाम साहब का अनजाने में ही सिर झुकाना भी किसी दबाव का परिणाम नहीं था। उन्होंने बताया था कि वे न जाने कब से ऐसा करते आ रहे हैं, और यह भी बताया था उन्होंने कि 'पूजाग?ह के सामने सिर झुकाता हूं तो ऐसा लगता है जैसे कोई आशीर्वाद का हाथ मेरे सिर पर धरा गया है।'

सच है, आशीर्वाद का यह अहसास मंदिर, मस्जिद, चर्च, या गुरुद्वारा, सब देते हैं। और सब धर्मों का आदर करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। सर्व धर्म समभाव की संस्कृति है हमारी। हमारा धर्म, यानी हिंदू धर्म, हमें यह सिखाता है कि चाहे ईश्वर कहें या खुदा, गॉड कहें या एक ओंकार, अलग-अलग रास्ते हो सकते हैं, पर पहुंचते सभी एक ही जगह हैं पहुंचाते सभी एक ही जगह हैं हमें यह अलग-अलग रास्ते!

जैन धर्म का एक सिद्धांत है अनेकांत वाद। यह विचार हमें समझाता है कि मैं सही हूं, पर तुम भी सही हो सकते हो। इतनी-सी बात यदि हम समझ लेते हैं तो फिर कोई विवाद बचता ही नहीं है। ईश्वर एक है फिर मेरा ईश्वर तुम्हारे ईश्वर से भिन्न या बेहतर कैसे हो सकता है? बस इतनी-सी बात समझने की आवश्यकता है कि हमारा अलग-अलग धर्म का होना एक संयोग मात्र है। मैं किसी एक धर्म में विश्वास करने वाले परिवार में पैदा हुआ इसमें मेरा कोई योगदान नहीं है। मेरे माता-पिता हिंदू थे, इसलिए मैं भी हिंदू हो गया, वे मुसलमान होते तो मैं आरती की जगह नमाज़ पढ़ रहा होता। इस संदर्भ में मेरी कोई भूमिका हो सकती है तो वह यही है कि यदि हिंदू हूं तो अच्छा हिंदू बनूं, मुसलमान हूं तो बेहतर मुसलमान बनूं, ईसाई हूं तो अच्छा ईसाई बनूं। और यह अच्छा होने का मतलब है अच्छा इंसान होना। अच्छा इंसान यानी वह जो अपनी आस्था में पूरा विश्वास रखने के बावजूद दूसरे की आस्था का भी सम्मान करें।

यहीं गड़बड़ हो रही है। हम अपनी आस्था की चिंता तो करते हैं पर दूसरे की आस्था को कुछ नहीं समझते। इसी का परिणाम है कि आज पंथ-निरपेक्षता में विश्वास करने वाले हमारे भारत में धर्म के नाम पर आये दिन झगड़े-फ़साद होते रहते हैं। हमारा संविधान हर भारतीय को अपनी आस्था के अनुसार धार्मिक क्रिया-कलाप की स्वतंत्रता का अधिकार देता है। यही नहीं, हमारा संविधान हमें अपनी आस्था अपने धर्म के प्रचार-प्रसार का भी अधिकार देता है। शर्त सिर्फ यह है कि कोई नागरिक अपने अधिकार की सीमाओं को न लांघे। ये सीमाएं भी परिभाषित हैं हमारे संविधान में। सब नागरिक समान हैं, कोई नागरिक किसी दूसरे को अपने धर्म की ओर आकृष्ट करने के लिए किसी प्रकार का लालच अथवा दबाव काम में नहीं ले सकता। पर अक्सर हम अपनी सीमाओं का अतिक्रमण कर जाते हैं और इसके लिए दोषी दूसरे को ठहराते हैं। धर्म के नाम पर आज जो गड़बड़ियां हो रही हैं, वे इसी अतिक्रमण का परिणाम हैं।

ऐसे ही अतिक्रमण का उदाहरण इस बार क्रिसमस के अवसर पर दिखा। देश के अलग-अलग हिस्सों में चर्चों पर, ईसाइयों पर दुर्भाग्यपूर्ण प्रतिक्रिया हुई। दंगा करने वाले को यह भी स्वीकार नहीं था कि सांताक्लाज की टोपियां बेचकर कोई अपना पेट भरने के लिए कुछ कमा ले। हद तो यह भी हुई कि चर्चों के सामने जाकर हनुमान चालीसा का पाठ किया गया! क्रिसमस के आयोजनों के संदर्भ में हुए विवाद और झगड़े हैरान भी करते हैं और दुखी भी। एक ओर तो हमारे प्रधानमंत्री क्रिसमस के अवसर पर चर्च में जाकर ईसाइयों की पूजा-अर्चना में भाग लेते हैं, धार्मिक भाईचारे का संदेश देने का प्रयास करते हैं, और दूसरी ओर कुछ कथित धार्मिक संगठन क्रिसमस के रंग में भंग डालने का खुलेआम अपराध करते हैं। ऐसे कुकृत्य के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं, जिन्हें देखकर हर विवेकशील नागरिक को शर्म आ जाये। शर्म आनी चाहिए कहना, ज़्यादा सही होगा।

हमारा भारत, बहुधर्मी है, बहु जातीय और बहुभाषी भी। यह विविधता हमारी विशेषता ही नहीं, हमारी ताकत भी है। इस विविधता पर अभिमान होना चाहिए हमें। पर धर्म के नाम पर जिस तरह एक-दूसरे को नीचा दिखाने या कम भारतीय समझने की गतिविधियां हो रही हैं, उन्हें देखकर सिर्फ यही कहा जा सकता है कि 'हे ईश्वर, ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं, इन्हें क्षमा कर देना'। ईश्वर तो क्षमा कर भी देगा, पर हमारी अपनी चेतना जब तक हमें बेहतर मनुष्य बनने के लिए प्रेरित नहीं करेगी, हम सही अर्थों में इंसान नहीं बन सकते। अब हमें तय करना होगा कि हम बेहतर इंसान बनना चाहते हैं या नहीं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

नयी शिक्षा नीति के समक्ष मौजूद कानूनी बाधाएं

डॉ. सुधीर कुमार

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति युवा पीढ़ी की तकदीर बदलने की दिशा में बड़ा कदम है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों ने एनईपी के प्रावधानों को सबसे पहले अपनाया व शैक्षणिक ढांचे और पाठ्यक्रम में परिवर्तन किए। यह प्रमाण है कि अकादमिक स्वतंत्रता से सरकारी संस्थान भी नवाचार के केंद्र बन सकते हैं। बशर्ते कानूनी बाधाओं को दूर किया जाये। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 केवल एक सरकारी दस्तावेज़ नहीं, बल्कि यह 21वीं सदी के बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की नई आकांक्षाओं का जीवंत प्रतिबिंब है। 34 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आई यह नीति शिक्षा जगत में उस 'पैराडाइम शिफ्ट' की वकालत करती है, जिसका इंतज़ार भारत का युवा और बौद्धिक वर्ग दशकों से कर रहा था। यह नीति जहां एक ओर लचीलेपन, कौशल विकास और बहुविषयक दृष्टिकोण के माध्यम से भारत को 'विश्व गुरु' बनाने का स्वप्न देखती है, वहीं इसे जमीनी स्तर पर लागू करने की राह में कई सूक्ष्म प्रशासनिक और कानूनी जटिलताएं भी मौजूद हैं। इस नीति की वास्तविक सफलता और विफलता के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी इसका 'कानूनी कार्यान्वयन' है। इस वैचारिक यात्रा में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों ने प्रेरणादायक पहल की है।

जब देश के कई राज्य और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय इस नीति के जटिल नियमों और बदलावों को समझने की जद्दोजहद में उलझे थे, तब कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने दूरदर्शिता का परिचय दिया। यह समझा कि कोई भी नीति तब तक सफल नहीं हो सकती जब तक उसे जमीनी वास्तविकता से न जोड़ा जाए। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय देश के उन अग्रणी संस्थानों में शामिल हुआ, जिसने एनईपी के प्रावधानों को सबसे पहले अपनाया व अपने शैक्षणिक ढांचे और पाठ्यक्रम में आमूलचूल परिवर्तन किए। परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय को एनईपी के सफल क्रियान्वयन के लिए 'प्लेटिनम अवार्ड' से नवाजा गया।

शिक्षा जगत में प्राय: एनईपी के शैक्षणिक लाभों जैसे रटने की प्रवृत्ति से मुक्ति और कौशल आधारित शिक्षा - पर व्यापक चर्चा होती है, लेकिन इसके 'कानूनी पेचों' पर खामोशी बरती जाती है। इन 'साइलेंट' समस्याओं को सुलझाए बिना नीति का पूर्ण लाभ मिलना दुष्कर है। सबसे बड़ी चुनौती 'संवैधानिक विरोधाभास' की है। संविधान के अनुसार शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है। जब केंद्र सरकार एक राष्ट्रीय नीति लागू करती है, तो राज्यों के अपने विश्वविद्यालय अधिनियमों के साथ उसका स्वाभाविक टकराव होता है। मसलन, एनईपी 'मल्टीपल एंट्री और एग्जिट' की सुविधा देती है। कानूनन, यदि एक छात्र एक राज्य के विश्वविद्यालय से एक वर्ष बाद सर्टिफिकेट लेकर निकलता है और दूसरे राज्य के विश्वविद्यालय में डिप्लोमा में प्रवेश चाहता है, तो दोनों राज्यों के नियमों में भिन्नता छात्र का भविष्य संकट में डाल सकती है। इस 'क्रेडिट ट्रांसफर' की कोई ठोस कानूनी गारंटी स्पष्ट नहीं है।

दूसरा महत्वपूर्ण और मौन मुद्दा 'स्वायत्तता बनाम नियंत्रण' का है। नीति कॉलेजों को ग्रेडेड स्वायत्तता देने का प्रस्ताव करती है, लेकिन प्रस्तावित भारतीय उच्च शिक्षा आयोग के तहत चार अलग-अलग वर्टिकल - नियमन, मान्यता, वित्त पोषण और मानक निर्धारण - कैसे एक-दूसरे के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप किए बिना काम करेंगे, यह एक कानूनी भूलभुलैया बनी हुई है। यहां शक्ति के केंद्रीकरण का अंदेशा भी रहता है, जो लंबी कानूनी लड़ाइयों और मुकदमों का कारण बन सकता है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल संप्रभुता और डेटा सुरक्षा एक गंभीर पहलू है जिस पर पर्याप्त बहस की आवश्यकता है। 'एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स' और डिजिटल लॉकर के माध्यम से करोड़ों छात्रों का संवेदनशील शैक्षणिक इतिहास ऑनलाइन उपलब्ध होगा। ऐसे में डेटा हैक होने या दुरुपयोग होने की स्थिति में कानूनी जवाबदेही किसकी होगी, यह अपरिभाषित है।

विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत में कैंपस खोलने की बात एक बड़ा कदम है, लेकिन यहां भी 'भारतीय ट्रस्ट कानून' आड़े आता है। भारत में अधिकांश शिक्षण संस्थान 'लाभ के लिए नहीं' के सिद्धांत पर चलते हैं, जबकि विदेशी संस्थान अक्सर व्यावसायिक मॉडल अपनाते हैं। उन्हें फेमा (फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट) और आयकर कानूनों के तहत आय वापस भेजने की अनुमति देना भारतीय संस्थानों के साथ भेदभावपूर्ण लग सकता है, जो संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) के तहत कानूनी चुनौती बन सकता है। साथ ही, निजी संस्थानों में फीस नियंत्रण को लेकर नीति की चुप्पी शिक्षा के व्यवसायीकरण को बढ़ा सकती है, जिससे गरीब छात्रों के लिए समान अवसर का संवैधानिक अधिकार प्रभावित होगा। शिक्षा का बाज़ारीकरण रोकना समावेशी भारत के लिए अनिवार्य है।

इन चुनौतियों के समाधान के लिए अब समय है कि एनईपी को एक मजबूत कानूनी कवच प्रदान किया जाए। जब तक इसे वैधानिक शक्ति प्राप्त नहीं होगी, तब तक राज्यों के बीच क्रेडिट ट्रांसफर और प्रशासनिक बाधाएं बनी रहेंगी। इसके लिए 'विशेष शिक्षा न्यायाधिकरण' की स्थापना अनिवार्य है, जो तकनीकी विवादों का त्वरित निपटारा कर सके। सरकार को चाहिए कि वह एक उच्च-स्तरीय सलाहकार समिति का गठन करे। शिक्षाविदों का व्यावहारिक अनुभव राज्यों के पुराने अधिनियमों और नई नीति के बीच का अंतर पाटने के लिए एक 'मॉडल एक्ट' तैयार करने में मददगार होगा। नई शिक्षा नीति युवा पीढ़ी की तकदीर बदलने का एक ऐतिहासिक अवसर है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का मॉडल प्रमाण है कि अकादमिक स्वतंत्रता से सरकारी संस्थान भी नवाचार के केंद्र बन सकते हैं। लेकिन इसकी दीर्घकालिक सफलता के लिए हमें उन कानूनी बाधाओं को पहचानना होगा जो गतिरोध पैदा कर सकती हैं।

लेखक कुरुक्षेत्र विवि के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

2026 में ढोल ही ढोल!

हरिशंकर व्यास

साल 2026 की उम्मीदों में दुनिया के दूसरे देशों में जैसा सोचा जा रहा है वैसे हमें न सोचना चाहिए, न लिखना चाहिए। आखिर हमारी अलग ही हस्ती है। सो, व्यर्थ है यह सवाल कि छब्बीस में भारत की सेहत, सांस क्या बेहतर होगी? इतना जरूर है कि मौजूदा मोदी राज जिन चार पायों पर टिका है वे और मजबूत होंगे। मतलब मोदी राज में- भीड़, ढोल, रेवड़ी तथा आंकड़ों में विकासमान उछाला गारंटीशुदा है।

2026 के अंत में भीड़ का आकार बढ़ा हुआ होगा। भीड़ को रेवड़ियों से नचाने के नए कार्यक्रम बने हुए होंगे। आंकड़े और हवा-हवाई बने मिलेंगे। कहावत जो है थोथा चना बाजे घना। मतलब दिसंबर 2026 में जापान, जर्मनी, चीन, अमेरिका सबको पछाड़ता भारत विश्वगुरूता के बाद अपने को ब्रह्माण्ड का नेता घोषित करे तो आश्चर्य नहीं होगा। अब यदि 2026 में इतना भौकाल हुआ तो स्वाभाविक जो नरेंद्र मोदी-अमित शाह के चुनाव जीतने के रिकॉर्ड में कमी नहीं होगी। चुनाव जीतेंगे और देशा गाएगा- बहारों फूल बरसाओ, भारत विकसित हुआ है!

दूसरे देश 2026 के सिनेरियो, उम्मीदों में एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, उड़ती हुई कारों से लेकर भू राजनीति अर्थात अमेरिका, चीन, वैश्विक व्यवस्था, जलवायु संकट, व्यापार-पूंजी, विज्ञान-तकनीक के बदलते आयामें में दिमाग खपाए हुए है वही भारत का नया साल घुसपैठियों, बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या से प्रारंभ है। तभी मेरा मानना है 2026 का पूरा साल घुसपैठियों के ढ़ोल के शोर में गुजरेगा। बंगाल में विधानसभा चुनाव है और घुसपैठियों, हिंदुओं की हत्या का रोना धोना हिंदू-मुस्लिम राजनीति का रामबाण नुस्खा है तो उत्तर प्रदेश के अगले चुनाव की भूमिका के लिए भी ढोल का यही सुर वर्ष 2026 की भारत पहचान बनेगा।

2026 में मोदी सरकार के बारह साल पूरे होंगे। गौर करें 2024 में लोकसभा के अल्पमत वाले नतीजों, मोदी सरकार के चंद्रबाबू के टेके के बाद से ढोल की गूंज कितनी और कैसे बढी है? भीड़ को वास्तविकताओं से ओझल रखने की राजनीति में पैसा बांटना, रेवड़ियों, आंकड़ों ने नई ऊंचाईयां पाई हैं। ऑपरेशन सिंदूर निर्णायक मोड़ था। दुनिया ने जब पाकिस्तान का ढोल सुना तो उस नैरेटिव की छाया से अपनी भीड़ को बचाए रखने के लिए मोदी सरकार ने तरह-तरह से अपनी पीठ थपथपाई और बिहार भी जीत लिया!

यों मोदी सरकार अब वक्त गुजरते जाने, घटते जीवन की चिंता में बेचैन है। बारह साल होने को है भला आगे और कितने साल? तभी अमिट सत्ता की मैसेजिंग में महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार के चुनावों में न केवल सरकारी खजाना, पैसा लुटाया बल्कि चुनाव प्रक्रिया को भी संदिग्ध बना डाला। प्रदेशों के चुनाव से ही सरकार ऑक्सीजन पाए हुए है। और तय मानें 2026 में भी राज्यों के चुनावों में ताकत झोंकी जाएगी। बंगाल, असम. केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी के पांच राज्यों में असम, बंगाल में भाजपा घुसपैठियों, हिंदू बनाम मुस्लिम फॉर्मूले पर ही चुनाव लड़ेगी। यों भी बांग्लादेश में हिंदू विरोधी माहौल से असम-बंगाल दोनों जगह धुव्रीकरण बनना है।

तभी 2026 खतरनाक भी हो सकता है। पहले बांग्लादेश में चुनाव है। चुनाव में उनकी जीत होगी जो भारत विरोध की मशाल जलाए कट्टरपंथी है। सो, मुमकिन है कि घुसपैठियों के शोर के अनुपात में ढाका-इस्लामाबाद का गठजोड़ पके। सामरिक गठजोड़ बने। आतंकी घटनाएं हों।

इसलिए अमेरिकी थिंकटैंक के इस आकलन में दम है कि 2026 में भारत-पाकिस्तान में फिर ठन सकती है। जनरल मुनीर की मनोदशा में अपने आपको प्रामाणिक तुरर्म खां साबित करने की ललक है। उन्हें भारत का अंदरूनी शोर चीन, रूस, अमेरिका, बांग्लादेश सबसे नए गठजोड़ से 2026 में अवसर मुहैया हो सकता है।

माली मुश्किलों का आईना

प्रधानमंत्री के साथ अर्थशास्त्रियों की बजट पूर्व बैठक में अर्थव्यवस्था की मुश्किलें खुल कर सामने आईं। अर्थशास्त्रियों ने ब्याज चुकाने की बढ़ी देनदारी, कमजोर होती घरेलू बचत, और सरकार के बढ़े पूंजीगत निवेश से आई दिक्कतों का जिक्र किया। प्रधानमंत्री के साथ बजट पूर्व बैठक में उपस्थित अर्थशास्त्रियों ने अर्थव्यवस्था में पैदा हुई मुश्किलों का उल्लेख किया। उन्होंने ब्याज (और ऋण का मूलधन भी) चुकाने की बढ़ती देनदारी, कमजोर होती घरेलू बचत, और सरकार के बढ़े पूंजीगत निवेश के कारण निजी निवेश के सामने आई दिक्कतों का जिक्र किया। कहा कि पूंजीगत निवेश के लिए सरकार अधिक ऋण लेती है, तो निजी निवेशकों के लिए कर्ज महंगा हो जाता है। यह स्वस्थ स्थिति नहीं है। इस क्रम में सरकार पर कर्ज संबंधी देनदारी बढ़ती है। हाल यह है कि केंद्रीय बजट का एक चौथाई से ज्यादा हिस्सा ऋण एवं ब्याज चुकाने पर खर्च हो रहा है। बहरहाल, अर्थशास्त्रियों की बात मान कर सरकार पूंजीगत निवेश घटा दे, तो मौजूदा आर्थिक वृद्धि दर को बनाए रखना फिलहाल कठिन हो जाएगा। निजी निवेश सिर्फ इसलिए नहीं कमजोर पड़ा है कि ऋण महंगा है। बल्कि बाजार में मांग ना होने के कारण निजी क्षेत्र अपनी मौजूदा क्षमता का भी उपयोग नहीं कर पा रहा, तो वह नया निवेश कहां करेगा? खुद अर्थशास्त्रियों ने उल्लेख किया कि घरेलू बचत गिरते हुए जीडीपी के लगभग सात प्रतिशत के बराबर पहुंच गई है। उन्होंने इसकी चर्चा विदेशी पूंजी निवेश को लेकर बढ़े अनिश्चय के संदर्भ में की। कहा कि इस बीच घरेलू बचत भी इतना घट गया है कि वह चालू खाते के दो फीसदी घाटे को पाटने में भी सक्षम नहीं है। मगर घरेलू बचत गिरने का एक दूसरा पहलू भी है। यह संकेत है कि आम परिवारों का बजट दबाव में है। ऐसे में उपभोग एवं मांग में कैसे बढ़ोतरी होगी? यह नहीं हुआ, तो निजी निवेश की स्थितियां कैसे बनेंगी? तो कुल संकेत यह है कि अर्थव्यवस्था एक दुश्चक्र में फंस गई है। इसके बीच सरकार के लिए के लिए पूंजी निवेश घटाना एक जोखिम भरा कदम होगा। सामान्य स्थितियों में अर्थशास्त्रियों की ऋण एवं राजकोषीय घाटे के बीच संतुलन बनाने की सलाह उचित मानी जाती, मगर सवाल है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

लैंगिक अपराध से पीड़ित नाबालिगों के लिए सपोर्ट पर्सन

दुर्ग। कर्नाटक, झारखंड और मध्यप्रदेश की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में भी 9 सपोर्ट पर्सन नियुक्त किए गए हैं। प्रत्येक सपोर्ट पर्सन को 10-10 नाबालिग अलॉट किए गए हैं। ये पीड़ित नाबालिगों को सपोर्ट करेंगे, जो लैंगिक अपराध जैसे छेड़छाड़ या दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराध से पीड़ित हैं। केस दर्ज होने के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से मामले सपोर्ट पर्सन को सौंपे जाते हैं। इसके बाद वे नाबालिग और उनके परिवार को मानसिक और विधिक सहायता प्रदान करते हैं। हर विजिट पर रिपोर्ट बनाई जाती है, जो, महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से मंत्रालय तक भेजी जाती है। बता दें कि जून 2025 में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के बाद राज्य सरकार ने सपोर्ट पर्सन नियुक्ति करने का निर्देश दिया था।

साइकोलॉजिस्ट के लिए 44 क्वालिफाई, 13-14 को इंटरव्यू

भिलाई। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट के 12 पद के लिए 13 और 14 जनवरी को और काउंसलर मनोरोग के 2 पद के लिए 15 जनवरी को इंटरव्यू होगा। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट के 12 पदों के लिए 44 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए योग्य पाए गए जबकि काउंसलर पद के 2 पदों के लिए 17 अभ्यर्थी क्वालिफाई हुए हैं। बता दें कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा मंगाए गए आवेदन के तहत क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट पद के लिए 379 अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन भरे गए थे। दस्तावेज सत्यापन में 44 पात्र पाए गए, 163 अपात्र पाए गए और 172 अनुपस्थित रहे। साक्षात्कार दो पालियों आयोजित किए जाएंगे। पहली पाली 10 बजे से शुरू होगी और दूसरी पाली 1 बजे शुरू होगा।

धमधा के श्रेया अस्पताल का अब लाइसेंस भी रद्द

भिलाई। धमधा के श्रेया अस्पताल के डॉक्टर व प्रबंधक पर एफआईआर के बाद शुक्रवार को नर्सिंग होम एक्ट से अस्पताल को प्राप्त लाइसेंस भी निरस्त कर दिया गया। महिला के इलाज में लापरवाही और शव से दुर्व्यवहार किए जाने के मामले में जांच रिपोर्ट आने के 43 दिन बाद स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की। जिलाधीश एवं पर्यवेक्षी अधिकारी, नर्सिंग होम एक्ट ने तीन दिन के भीतर अस्पताल बंद कर एनएचए लाइसेंस की मूल प्रति सीएमएचओ कार्यालय में जमा करने का आदेश दिया है। शिकायत के अनुसार अस्पताल के कर्मी यहां भर्ती पद्मा नाम की महिला के परिजनों को बताए बगैर शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज लेकर निकल गए। मेडिकल कॉलेज में जैसे ही महिला के मृत होने की जानकारी मिली वे शव को लावारिश छोड़कर वहां से निकल गए।

200 वीर-वीरांगनाओं ने शौर्य का प्रदर्शन किया

भिलाई। स्वामी दयानंद की 200वीं जयंती पर आर्य वीर दल द्वारा आर्य समाज मंदिर सेक्टर 6 में युवा चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 200 से भी अधिक आर्य वीर/वीरांगनाओं ने भाग लिया। शिविर का उद्घाटन कांग्रेस के दुर्ग अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने किया।

बीएसपी मेन हॉस्पिटल के ओपीडी परिसर में सीपीआर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र (जेएलएनएचआरसी) के एनेस्थीसियोलॉजी विभाग द्वारा चेन ऑफ सर्वाइवल को सुदृढ़ करने की दिशा में ओपीडी परिसर में 1 जनवरी को मासिक सीपीआर जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में ओपीडी में उपस्थित रोगियों एवं उनके परिजनों को आकस्मिक हृदयाघात की स्थिति में जीवनरक्षक सहायता प्रदान करने संबंधी आवश्यक जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में एनेस्थीसियोलॉजी विभाग की टीम ने इस तथ्य को बताया कि हृदय गति रुकने के बाद के प्रारंभिक कुछ मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इसी उद्देश्य से आमजन के लिए सरल एवं प्रभावी जीवनरक्षक तकनीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण

प्रदान किया गया। प्रशिक्षकों द्वारा 'पुश हार्ड, पुश फास्ट' सिद्धांत पर आधारित हैंड्स-ओनली सीपीआर की विधि का प्रदर्शन किया गया, जिससे बिना माउथ-टू-माउथ प्रक्रिया के भी त्वरित सहायता संभव हो सके। साथ ही, हृदय संबंधी आपात स्थिति की शीघ्र पहचान तथा तत्काल चिकित्सकीय सहायता बुलाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

प्रशिक्षण सत्र के अंतर्गत मैनिकिन्स के माध्यम से उपस्थितजनों को व्यावहारिक अभ्यास कराया गया, जिसमें चिकित्सकीय स्टाफ मार्गदर्शन प्रदान करते हुए सीने पर सही दबाव की जानकारी दी। प्रत्येक माह की पहली तारीख को आयोजित इस कार्यक्रम से एनेस्थीसियोलॉजी विभाग केवल ऑपरेशन थियेटर तक सीमित न रहकर, जन समुदाय के बीच जाकर जनस्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सशक्त कर रहा है।

33वीं राष्ट्रीय जूनियर फेंसिंग स्पर्धा में भाग लेने के लिए 2 टीमें कटक रवाना

5 से 10 जनवरी तक आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेगी 28 सदस्यीय टीम

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। उड़ीसा फेंसिंग एसोसिएशन द्वारा फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ़इंडिया के तत्वावधान में 33वीं जुनियर राष्ट्रीय फेंसिंग चैंपियनशिप (बालक एवं बालिका) का आयोजन जवाहरलाल नेहरु इंडोर स्टेडियम, कटक (उड़ीसा) में 5 से 10 जनवरी तक आयोजित किया जा रहा है। उक्त राष्ट्रीय चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ राज्य की जुनियर बालक एवं बालिका वर्ग की 28 सदस्यीय टीम भाग ले रही है।

ज्ञात रहे कि छत्तीसगढ़ जुनियर बालक एवं बालिका फेंसिंग टीम के गठन हेतु चयन स्पर्धा का आयोजन इस्पात क्लब, सेक्टर-1, भिलाई में किया गया था। विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन बहुउद्देशीय हॉल, इस्पात क्लब, सेक्टर-1, में किया गया। प्रशिक्षण शिविर का समापन दिनांक 03 जनवरी 2026 को संध्या 04:00 बजे छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन के महासचिव समीर खान द्वारा किया गया तथा प्रदर्शन के आधार पर छत्तीसगढ़ जुनियर बालक एवं बालिका फेंसिंग टीम की घोषणा की।

उपरोक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के जुनियर बालक एवं बालिका फेंसिंग टीम को खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु जाने-आने का रेल्वे किराया एवं दैनिक यात्रा भत्ता प्रदान एवं ट्रैकसूट प्रदान किया गया। तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन द्वारा खिलाड़ियों एवं अधिकारियों को टी-शर्ट प्रदान किया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य की जुनियर बालक एवं बालिका फेंसिंग टीम उक्त चैंपियनशिप में भाग लेने के बाद 11 जनवरी को वापस लौटेगी।

छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष एस. प्रकाश, आईएएस ने खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाये प्रदान की। छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन के चेयरमेन सुनिल रामदास अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष अजीत सिंह पटेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, भारतीय फेंसिंग महासंघ के सहसचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बशीर अहमद खान, सुभाष अग्रवाल, कमल रुपरेला, आरती सिंह ने भी बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेथित की है।

जूनियर बालक टीम:- फॉइल इवेन्ट: हिमेश साहू (दुर्ग), आयुष नेताम (दुर्ग), अंशुल फब्यानी (रायपुर), हर्ष रजक, ईपी इवेन्ट: ऋषभ गुप्ता, जनार्दन साहू, दीपांशु साहू, भूपेंद्र कुमार यादव (सभी दुर्ग), सैबर इवेन्ट: नवीन साहू (दुर्ग), विनीत साहू (बिलासपुर), अनुज चौहान, करनजीत सिंह आनंद (दोनों दुर्ग), प्रशिक्षक प्रवीण कुमार गौंवरे (रायपुर) एवं प्रबंधक मोहनीश वर्मा (दुर्ग) शामिल हैं।

जूनियर बालिका टीम:- फॉइल इवेन्ट: लावण्या साहू (रायपुर), अंशिका यादव (दुर्ग), पी. दिव्या रेड्डी (दुर्ग), धारणा ठाकुर (दुर्ग), ईपी इवेन्ट: रश्मान कौर धीमान (दुर्ग), रुपाली साहू (बिलासपुर), रीबा बैनी (रायपुर), 8. तुलसी मानिकपुरी (दुर्ग), सैबर इवेन्ट: चांदनी साहू (दुर्ग), मर्लिन मेरी शिबू (रायपुर), नीतू यादव (रायपुर), तेजस्वनी मोहिले (दुर्ग), प्रशिक्षक जॉनसन सोलोमन (दुर्ग), प्रबंधक मोना पटेल (दुर्ग) शामिल हैं।

गैर-कार्यपालक कर्मचारियों को मिला सुरक्षा का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यस्थल सुरक्षा एवं दुर्घटना रोकथाम के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए, 02 जनवरी 2026 को मानव संसाधन विकास केन्द्र में गैर-कार्यपालक कर्मचारियों के लिए एक व्यापक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसमें कुल 103 गैर-कार्यपालक कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी बीके बेहरा थे व विशेष अतिथि के तौर पर महाप्रबंधक एस. सुनोव उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि श्री बेहरा ने कहा कि वर्ष 2025 के दौरान घटित दुर्घटनाओं में अधिकांश घटनाएं मानवीय त्रुटियों के कारण हुई। उन्होंने कर्मचारियों से आग्रह किया कि विशेष रूप से ब्रेकडाउन की स्थिति में किसी भी कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व संभावित खतरों की पहचान अवश्य करें, जिससे जोखिम को न्यूनतम किया जा सके और परिचालन सुरक्षा में वृद्धि हो।

एस. सुनोव ने प्रतिभागियों को कार्यस्थल पर असुरक्षित संरचनाओं एवं दोषपूर्ण व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) की समय पर पहचान और रिपोर्टिंग के महत्व से अवगत कराया।

प्रशिक्षण सत्र का संचालन सहायक प्रबंधक अखिल मिश्रा द्वारा किया गया, जिन्होंने सुरक्षित कार्य प्रणालियों एवं जोखिम न्यूनीकरण से संबंधित जानकारी दी। संचालन सहायक महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियाँत्रिकी विभाग) अजय टल्लू द्वारा किया गया।

कल सुबह दुर्ग के इन वार्डों में नहीं आएगा पानी, फिल्टर सफाई के लिए लेंगे शटडाउन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगर्म क्षेत्र के मालवीय नगर कॉम्प्लेक्स के पास 600 एमएम वाल्व बदली किया जाना है। 5 जनवरी सोमवार को सुबह वाटर सप्लाई के बाद कार्य कराये जाने हेतु 24 एमएलडी फिल्टर का शट डाउन लिया जाना है, जिससे टंकियों से संबंधित एरिया में जलप्रदाय प्रभावित रहेगा।

उल्लेखनीय है कि मालवीय नगर शंकर नाला के ऊपर से पटरी पार क्षेत्र व शनिचरी बाजार शंकर नगर गिरधारी नगर टंकियों में पानी भरने राइजिंग लाइन बिछी हुई है जिसमे बड़ा लिकेज है और वही पर वाल्व बदला गया था जिसके लिए एक पखवाड़ा पूर्व शट डाउन किया गया था।

किंतु इसके कुछ ही दिन बाद यहां खुदाई की गई और पाईप लाइन में बड़ा लिकेज होने और समय अभाव के कारण उक्त कार्य पूर्ण नहीं हो पाया था उसी कार्य को अब पूर्ण करने जल गृह विभाग द्वारा पूरी तैयारी के साथ शट डाउन लेकर कार्य कराया जाना है 5 जनवरी निर्धारित किया गया। महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल व जलगृह विभाग प्रभारी लीना दिनेश देवांगन ने प्रभावित क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है की निगम द्वारा मांग अनुसार एवं आवश्यकता अनुसार प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जल आपूर्ति की जायेगी।

अत: नागरिकों से अनुरोध है कि, समय पूर्व पर्याप्त मात्रा में जल संग्रहण कर लेंवे। प्रभावित क्षेत्रों में पद्मनाभपुर टंकी, शंकर नगर टंकी, शक्तिनगर टंकी, गिरधारी नगर टंकी, हनुमान नगर टंकी, ट्रांसपोर्ट नगर टंकी, शनिचरी बाजार टंकी में पानी नहीं चढ़ेगा जिसके कारण इन टंकियों से जहां जहां पानी सप्लाई होता है, वहां पानी नहीं पहुंचेगा। कार्य सम्पन्न होते ही जल प्रदायगी एक बार फिर पूर्ववत शुरू कर दी जाएगी।

नवाचार एवं गुणवत्ता की कसौटी पर खरा उतरी टीम

बीएसपी की टीम 'स्पर्श' ने जीता पार एक्सीलेंस अवार्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। इस्पात संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ विभाग के अंतर्गत संचालित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र की क्वालिटी सर्किल टीम 'स्पर्श' ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 21 दिसंबर 2025 को ग्रेटर नोएडा में आयोजित क्वालिटी सर्किल नेशनल कन्वेंशन में 'पार एक्सीलेंस' पदक प्राप्त कर सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया।

इस उपलब्धि पर 02 जनवरी को जे.एल.एन. चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी कार्यालय में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह के दौरान टीम 'स्पर्श' के सदस्यों ने

मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. विनीता द्विवेदी को 'पार एक्सीलेंस' ट्रॉफी भेंट की।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर, डॉ. उदय कुमार एवं महाप्रबंधक (रखरखाव और सेवाएं) ो शाहिद अहमद विशेष रूप से उपस्थित रहे। क्वालिटी सर्किल टीम 'स्पर्श' में फैसिलिटेटर के रूप में सहायक महाप्रबंधक (सीएस एंड ए) बी. आर. ढोके, टीम लीडर लखन यादव तथा सदस्य वी. पी. कोलारे, महेंद्र कुमार, जोशी एवं संतोष कुमार शामिल हैं।

टीम ने प्रतियोगिता के दौरान जे.एल.एन. चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र में नेबुलाइजर मशीन के प्रभावी एवं बार-बार सफल उपयोग विषय पर एक प्रभावशाली केस स्टडी प्रस्तुत की, जिसे निर्णायकों द्वारा अत्यंत सराहा गया। इस अध्ययन के अंतर्गत श्वास संबंधी रोगों के उपचार हेतु ऑक्सीजन सप्लाई आधारित नेबुलाइजेशन तकनीक को विकसित किया गया है, जिसका पिछले दो वर्षों से सफलतापूर्वक एवं निरंतर उपयोग किया जा रहा है। यह तकनीक अपनी तरह की अनूठी एवं नवाचारपूर्ण पहल है, जिसमें टीम द्वारा इन-हाउस मॉडिफिकेशन करते हुए एक नया 'स्पर्श' मॉडिफाइड इंस्ट्रूमेंट विकसित किया गया है।

बीएसपी सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग का महत्वपूर्ण आयोजन

स्कूली विद्यार्थियों के लिए 11 को सुरक्षा ड्राइंग स्पर्धा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपी द्वारा जनवरी 2026 को सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत सुरक्षा के प्रति जागरूकता को जन-जन तक पहुँचाने तथा सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से, सुरक्षा अभियाँत्रिकी विभाग द्वारा रविवार 11 जनवरी को सुनीति उद्यान सेक्टर-8 पार्क में प्रात: 9 बजे से 12 बजे तक स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए तात्कालिक सुरक्षा ड्रॉइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को ड्रॉइंग शीट सुरक्षा अभियाँत्रिकी विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि पेंटिंग हेतु

आवश्यक अन्य सामग्री जैसे पेंसिल, वाटर कलर, ऑयल पेंट, क्रेयॉन कलर आदि प्रतिभागियों को स्वयं लानी होगी। प्रतियोगिता में चयनित प्रविष्टियों को नेहरू आर्ट गैलरी, सिविक सेंटर में आयोजित ड्रॉइंग एवं पेंटिंग प्रदर्शनी में 19 जनवरी से 23 जनवरी तक प्रदर्शित किया जाएगा। प्रतियोगिता को छात्र-छात्राओं के लिए 6 श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जिनमें नर्सरी, कक्षा 1 से 3, कक्षा 4 से 5, कक्षा 6 से 8, कक्षा 9 से 12 तथा शारीरिक रूप से दिव्यांग (फिजिकली चैलेंज्ड) विद्यार्थी शामिल हैं। इच्छुक प्रतिभागी 11 जनवरी को प्रात: 9 बजे सुनीति उद्यान सेक्टर-8 पार्क के प्रवेश द्वार पर उपस्थित होकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। विजेताओं को 19 जनवरी, 2026 को नेहरू आर्ट गैलरी में आयोजित ड्रॉइंग एवं पेंटिंग प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य शिक्षा अधिकारी द्वारा भिलाई नगर एवं भिलाई इस्पात संयंत्र के समस्त विद्यालयों के प्राचार्यों से अनुरोध किया गया है कि वे इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दें, ताकि बच्चों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया जा सके।

6 जनवरी से स्कूल नेशनल्स : 29 राज्यों के 329 कबड्डी खिलाड़ी दिखाएंगे दम

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग जिले में 69वीं राष्ट्रीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता (आयु वर्ग 14 वर्ष बालक) का आयोजन जाएगा। प्रतियोगिता 6 जनवरी से 9 जनवरी 2026 तक भिलाई में आयोजित होगी।

प्रतियोगिता के मुकाबले भिलाई नायर समाजम हायर सेकेंडरी स्कूल एवं सेक्टर-2 स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड में खेले जाएंगे। वहीं प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह भिलाई विद्यालय हायर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-2 के खेल मैदान में होगा।

प्रतियोगिता में देशभर के कुल 29 राज्य भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में 329 खिलाड़ी अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे, जबकि 87 ऑफिशियल्स भी प्रतियोगिता से जुड़े रहेंगे।

इसके अलावा लोक शिक्षण संचालनालय, स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के 45 ऑफिशियल्स भी आयोजन की व्यवस्थाओं में शामिल रहेंगे। दुर्ग संभाग से कुल 136 व्यायाम शिक्षक व अधिकारी प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए अलग-अलग दायित्व निभाएंगे।

69वीं राष्ट्रीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता के मीडिया प्रभारी जयंत वर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता की सभी तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गई हैं। खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन, परिवहन, सुरक्षा और चिकित्सा सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। आयोजन से दुर्ग जिले को राष्ट्रीय स्तर पर खेल मानचित्र में विशेष पहचान मिलने की उम्मीद है।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

प्रधानमंत्री अभ्युदय योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

कोरबा। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित, कोरबा को प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस योजना के अंतर्गत जिले में निवासरत गरीबी रेखा सर्वे सूची में शामिल शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों से स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के उद्देश्य से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक किराना, मनिहारी, कपड़ा, नाई सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, फैंसी स्टोर, मोटर मैकेनिक, साइकिल मरम्मत, टीवी, रेडियो, मोबाइल रिपेयरिंग, वाइंडिंग, मुर्गीपालन, बकरी पालन, सब्जी व्यवसाय, दोना-पत्तल निर्माण, लघु एवं कुटीर उद्योग सहित स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप किसी भी उपयुक्त व्यवसाय का चयन कर सकते हैं।

महापौर ने 306 हितग्राहियों को दी प्रधानमंत्री आवास की चाभी

कोरबा। महापौर संजूदेवी राजपूत ने निगम कार्यालय साकेत में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 '' मोर जमीन-मोरी मकान '' बी.एल.सी. घटक के 306 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्र एवं भवन निर्माण अनुमति पत्र प्रदान किया। इस अवसर वरिष्ठ पार्षद एवं निगम के पूर्व सभापति अशोक चावलानी, एम.आई.सी. सदस्य अजय गोंड़, ममता यादव, पार्षद पंकज देवांगन, रूबीदेवी सागर, धनश्रीअजय साहू, उर्वशी राठौर, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, अधीक्षण अभियंता व नोडल अधिकारी सुरेश बरूआ उपस्थित थे। महापौर ने समयसीमा में मकानों का निर्माण कार्य प्रारंभ कर निर्माण कार्य पूर्ण करने की सलाह हितग्राहियों को दी।

पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का होगा वार्षिक सत्यापन

कोरबा। शासन की विभिन्न पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का वार्षिक सत्यापन मोबाईल एप बेनेफिशरी सत्यापन एप के माध्यम से किया जाएगा, इस हेतु नगर पालिक निगम केारबा के समस्त वार्डो में विशेष अभियान चलाया जाएगा। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में अपर आयुक्त विनय मिश्रा ने इस हेतु आदेश जारी कर वार्डवार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। शासन के सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित केन्द्रीय पेंशन योजनाओं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना के हितग्राहियों का वार्षिक सत्यापन मोबाईल एप बेनेफिशरी सत्यापन एप से शत प्रतिशत किया जाना है।

नए कॉलेज भवन में 2026 से पढ़ाई सुनिश्चित करने का निर्देश

रायपुर। रायपुर पश्चिम के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि शिक्षा से जुड़े निर्माण कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि कोटा स्थित निर्माणाधीन शासकीय नवीन महाविद्यालय भवन को हर हाल में शिक्षा सत्र 2026 से पहले पूर्ण किया जाए। विधायक मूणत नगर निगम एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ कोटा क्षेत्र में राम दरबार के पीछे बन रहे नवीन महाविद्यालय भवन का निरीक्षण करने पहुंचे थे।

पुष्प वाटिका मैरिज गार्डन को नगर निगम ने किया सीलबंद

रायपुर। नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार और उपायुक्त राजस्व जागृति साहू और जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के निर्देशानुसार एवं जोन 8 सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल के नेतृत्व और राजस्व निरीक्षक राजेश मिश्रा, सहायक राजस्व निरीक्षक सर्वखगेंद्र सोनी, राम कुमार अवसर, चंदन रगड़े की उपस्थिति में राजस्व विभाग टीम द्वारा 7 बडे बकायादारों के व्यवसायिक परिसरो कों सीलबंद कर दिया गया। इन बकायादारों में में पुष्प वाटिका मैरिज गार्डन भी शामिल है।

अन्न, प्रकृति और करुणा की प्रतीक हैं माता शाकम्बरी - उपमुख्यमंत्री शर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। माता शाकम्बरी जयंती के पावन अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा कबीरधाम जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित जयंती समारोहों में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने माता शाकम्बरी की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने ग्राम बेनदरची, मजगांव, सहसपुर लोहारा, लालपुर एवं मोहरा में पटेल समाज द्वारा आयोजित माता शाकम्बरी जयंती समारोहों में शामिल होकर समाजजनों को शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक पर्व-परंपरा छेरछेरा की भी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व सामाजिक एकता, दान और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने मजगांव के भोयरा मरार पटेल समाज के नवनिर्मित सामुदायिक भवन का भी लोकार्पण किया।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि माता शाकम्बरी अन्न, प्रकृति और करुणा की प्रतीक हैं। उनका जीवन और संदेश समाज को आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और मानव कल्याण की दिशा में प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि शाकम्बरी माता की उपासना हमें प्रकृति के प्रति सम्मान और संतुलित जीवन जीने की सीख देती है। बेनदरची में उन्होंने पटेल समाज के सदस्यों के साथ संवाद किया और सभी को माता शाकम्बरी जयंती की बधाई दी। उन्होंने क्षेत्र में सड़क, आंगनबाड़ी, सामुदायिक भवन, शेड, स्टेडियम आदि निर्माण के संबंध में जानकारी ली और मुख्य मार्ग के निर्माण के लिए भी जनप्रतिनिधियों से चर्चा की।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम मझगांव में कहा कि पटेल समाज हमेशा से परिश्रमी और आत्मनिर्भर समाज रहा है, शाकम्बरी माता की कृपा से धन धान्य से सम्पन्न इस समाज ने हमेशा लोगों को मिल जुलकर कार्य करना सिखाया है। नवनिर्मित सामुदायिक भवन से भोयरा मरार पटेल समाज की सामाजिक गतिविधियों को भी गति प्राप्त होगी।

लोहारा में उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि पटेल समाज बहुत ही स्वाभिमानी समाज रहा है, पटेल समाज से लोगों को सीखने की आवश्यकता है।

'पुनर्वासित युवकों' को जैविक खेती एवं पर्यटन स्थलों का कराया शैक्षणिक भ्रमण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पुनर्वासित युवाओं को समाज की मुख्यधारा में लौटाने एवं आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दंतेवाड़ा में जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज सोसाइटी द्वारा 134 पुनर्वासित युवाओं के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक, कृषि एवं पर्यटन भ्रमण का आयोजन कराया गया।

गौरतलब है कि हाल ही में हितग्राहियों ने जिला प्रशासन के समक्ष कृषि एवं पर्यटन क्षेत्रों के व्यावहारिक भ्रमण की इच्छा व्यक्त की थी। उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा की पहल पर जिला प्रशासन ने यह भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया । उस भ्रमण के माध्यम से युवाओं को प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होगा एवं वे आजीविका के नए अवसरों को भी जान सकें।

लाइवलीहुड कॉलेज प्रशिक्षकों की उपस्थिति में कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारियों तथा भूमगादी जैविक क्लस्टर के समन्वयकों द्वारा पुनर्वासित युवाओं को जैविक खेती की आधुनिक एवं व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों ने रासायनिक उर्वरकों के बिना कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने की विधियों, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा जैविक उत्पादों के बाजारीकरण से जुड़ी जानकारियों को बारीकी से समझा।

कृषि के साथ-साथ हितग्राहियों को जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भी भ्रमण कराया गया। इस दौरान उन्हें स्थानीय पर्यटन की संभावनाओं, होम-स्टे, गाइड सेवाओं, हस्तशिल्प एवं स्थानीय उत्पादों के माध्यम से रोजगार सृजन के अवसरों से अवगत कराया गया।

उत्साहित युवकों ने रखी विशेष आवासीय प्रशिक्षण दिए जाने की मांग

भ्रमण से उत्साहित पुनर्वासित युवाओं ने लाइवलीहुड कॉलेज प्रशासन के समक्ष सामूहिक रूप से यह आग्रह रखा कि उनके लिए दो से तीन दिवसीय विशेष आवासीय कृषि प्रशिक्षण आयोजित किया जाए। उनका कहना था कि इस तरह के गहन प्रशिक्षण से वे 'घर वापसी' के बाद अपने गांवों में उन्नत जैविक खेती को अपनाकर स्थायी आजीविका विकसित कर सकेंगे और आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगे। जिला प्रशासन ने हितग्राहियों की इस सकारात्मक पहल की सराहना करते हुए भविष्य में उनके कौशल विकास एवं स्वरोजगार से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और सुदृढ़ करने का आश्वासन दिया है।

सड़क हादसे और अन्य आपात स्थिति से निपटने मॉक ड्रिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा अभियान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर लाइव मॉक-ड्रिल किया गया। यात्रियों, वाहन चालकों एवं एनएचएआई के फील्ड स्टॉफ को कई तरह की आपात परिस्थितियों से निपटने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञों ने मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में तत्काल सहायता प्रदान करने के तरीकों का प्रदर्शन भी किया।

मॉक-ड्रिल के दौरान विशेषज्ञों ने हार्ट-अटैक की स्थिति में सीपीआर देने के सही एवं वैज्ञानिक तकनीक का लाइव-डेमो दिया। अचानक बेहोशी, अत्यधिक रक्तस्राव, सांस लेने में कठिनाई जैसी मेडिकल आपात स्थितियों में प्राथमिक उपचार की भी जानकारी दी। मॉक-ड्रिल में वाहन में तकनीकी खराबी और सड़क दुर्घटना में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की भी जानकारी दी गई। दुर्घटना के बाद यात्रियों को सुरक्षित ढंग से वाहन से बाहर निकालने,तथा इस दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी विशेषज्ञों ने विस्तार से बताया।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान एनएचएआई द्वारा सर्दियों के मौसम में कोहरे एवं रात में यात्रा के दौरान दुर्घटना की संभावना को कम करने वाहनों पर रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप लगाए जा रहे हैं। साथ ही वाहन चालकों एवं यात्रियों से हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने तथा निर्धारित गति सीमा का पालन सुनिश्चित करने की अपील भी की जा रही है।

दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना से संवर गई निर्माणी श्रमिक सुषमा की जिंदगी

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत गहिला निर्माणी श्रमिक श्रीमती सुषमा सतनामी,, निवासी ग्राम तेन्दूकोन्हा, पोस्ट को मंडल द्वारा संचालित 'दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना' के अंतर्गत 1,00,000/- की सहायता राशि प्रदान की गई।

सुषमा सतनामी पूर्व में एक निर्माणी श्रमिक (रेजा) थीं। पति राजमिस्त्री हैं। दो बच्चे 7वीं एवं 5वीं कक्षा में अध्ययनरत हैं। इसी दौरान उन्हें छग भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा महिला निर्माणी श्रमिकों हेतु संचालित दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना की जानकारी प्राप्त हुई।

श्रीमती सुषमा ने सभी दस्तावेजों के साथ श्रम विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया। मंडल द्वारा सीधे उनके बैंक खाते में 1,00,000/- की सहायता राशि अंतरित की गई। इसके बाद श्रीमती सुषमा ने ई-रिक्शा क्रय कर धमतरी शहर में संचालन प्रारंभ किया। वर्तमान में उन्हें प्रतिदिन लगभग 500 से 700 की नियमित आय प्राप्त हो रही है, जिससे वे अपने परिवार का भरण-पोषण एवं बच्चों की शिक्षा-दीक्षा बेहतर ढंग से कर पा रही हैं। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

वन्यप्राणी तस्करों को सख्त सजा देने की तैयारी

अवैध शिकार रोकने वन कर्मियों को कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य के वन क्षेत्रों में अवैध शिकार की घटनाओं को रोकने के लिए वन विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। कई मामलों में अपराधी पकड़े भी जाते हैं, लेकिन कभी-कभी वनकर्मियों को कानूनी प्रावधानों की पूरी जानकारी न होने के कारण अपराधियों के विरुद्ध मजबूत प्रकरण तैयार नहीं हो पाता, जिससे वे आसानी से छूट जाते हैं।

ऐसी स्थिति से बचने और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वन मंत्री श्री केदार कश्यप के नेतृत्व में तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री अरुण कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार वन विभाग के कर्मचारियों के लिए विधिक साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में दिसंबर माह में वनमण्डल कार्यालय दुर्ग के सभागार में 'प्रोटेक्ट टुडे एंड सिक्योर टुमारो' परियोजना के अंतर्गत एक दिवसीय विधिक साक्षरता कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें जिला न्यायालय दुर्ग के काउंसलर श्री चंद्राकर ने मुख्य वक्ता के रूप में वन एवं वन्यजीव संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनी जानकारी दी।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य वनकर्मियों को वन कानूनों, नियमों और धाराओं की स्पष्ट जानकारी देना है, ताकि प्रकरणों को मजबूत बनाया जा सके और अपराधियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सके। इसके लिए समय-समय पर संशोधित नियमों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी कार्यशालाओं के माध्यम से दी जा रही है। कार्यक्रम के दौरान भारतीय वन अधिनियम, 1927 तथा वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रमुख प्रावधानों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। विशेषज्ञों द्वारा आरक्षित और संरक्षित वनों से संबंधित कानूनी धाराओं तथा विभागीय कार्रवाई की प्रक्रियाओं को सरल भाषा में समझाया गया। साथ ही राजस्व क्षेत्रों में होने वाले वन अपराधों की रोकथाम और नियंत्रण के उपायों पर भी जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के एक विशेष सत्र में नालसा के विशेषज्ञों ने अदालती मामलों के प्रबंधन से संबंधित 'क्या करें और क्या न करें' पर व्यावहारिक सुझाव दिए, जिससे वनकर्मी विधिक प्रक्रियाओं का सही ढंग से पालन कर सकें। इस अवसर पर वन परिक्षेत्र अधिकारी दुर्ग एवं धमधा सहित वनमण्डल के समस्त कार्यपालिक और क्षेत्रीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्हें वन्यजीव और वन संपदा की सुरक्षा हेतु विधिक रूप से सजग रहने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

सामाजिक समरसता और लोकसंस्कृति का उत्सव है छेरछेरा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छेरछेरा तिहार के अवसर पर राज्य के राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने धरसींवा विकासखंड के ग्राम तरपोंगी में पारंपरिक रूप से घर-घर जाकर अन्न दान ग्रहण किया। इस अवसर पर गांव में उत्साह, अपनत्व और लोक उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

मंत्री श्री वर्मा ने छेरछेरा की परम्परा का निर्वहन करते हुए ग्रामीणों से आत्मीय भेंट की और अन्न दान स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि छेरछेरा तिहार छत्तीसगढ़ की आत्मा से जुड़ा पर्व है, जो समाज में समानता, सहयोग और दान की भावना को सशक्त करता है। यह लोक पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और सामाजिक समरसता का संदेश देता है।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि छेरछेरा केवल अन्न संग्रह का तिहार नहीं, बल्कि यह लोक संस्कृति, भाईचारे और मानवीय संवेदनाओं का उत्सव है। छत्तीसगढ़ की

लोक परम्पराएं हमारी पहचान हैं और इन्हें संजोकर रखना हम सभी का दायित्व है। ऐसे पर्व समाज को जोड़ते हैं और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराते हैं।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने पारंपरिक उल्लास के साथ मंत्री का स्वागत किया। गांव में छेरछेरा तिहार की रौनक देखते ही बन रही थी। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने पूरे उत्साह के साथ इस लोक पर्व में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि छेरछेरा छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय पारंपरिक लोक-पर्व है, जिसे धान कटाई के बाद पौष मास (दिसंबर-जनवरी) में मनाया जाता है। यह पर्व राज्य की कृषि संस्कृति से गहराई से जुड़ा है। फसल कटने के उपरांत किसान ईश्वर और समाज के प्रति कृतज्ञता प्रकट करता है।

छेरछेरा मूल रूप से दान, सहयोग और आपसी भाईचारे का पर्व है। इस दिन गांव के बच्चे, युवा और बुजुर्ग टोली बनाकर घर-घर जाते हैं और लोकगीत गाते हुए अन्न या दान मांगते हैं। दरवाजे पर पहुंचकर

'छेरछेरा छेरछेरा, माई कोठी के धान ला हेरा...' का गायन किया जाता है, जिसका भाव यह होता है कि माता के भंडार में भरपूर धान है, उसमें से थोड़ा दान प्रदान करें। इकट्ठा की गई सामग्री का उपयोग सामूहिक भोज, जरूरतमंदों की सहायता एवं सामाजिक कार्यों में किया जाता है। यह पर्व अमीर-गरीब, जाति-धर्म के भेद को मिटाकर सामाजिक संवेदनशीलता को बढ़ाता है और नई पीढ़ी को साझा संस्कृति एवं लोक परम्पराओं से जोड़ता है।

एनएसएस कैंप में निराश्रितों को बांटे कम्बल, लिया गया नशा छोड़ने की शपथ

जगदलपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना शाउमा विद्यालय छिंदबहार के सात दिवसीय विशेष शिविर के दौरान उदघाटन पश्चात् प्रथम दिवस पर स्वयं सेवकों सर्वे किया। दल नायक रोहित कश्यप, महादल नायिका खुशबू कश्यप, उप महादल नायक मुकेश कश्यप ने शाम को समीक्षा बैठक में कहा कि कुछ ऐसे वृद्ध व्यक्ति हैं जिन्हें सहयोग की आवश्यकता है। साथ ही प्रस्ताव भी रखा की इन्हें गर्म कपड़ा वितरण किया जाए। सरपंच प्रतिनिधि पाकलु करटामी से चर्चा कम्बल वितरण योजना बनायी गयी। सरपंच सुकरी पाकलु करटामी और कार्यक्रम अधिकारी प्रमोद कुमार मरावी के द्वारा संयुक्त रूप से कम्बल वितरण किया गया। शिविर थीम नशा मुक्त भारत पर 5 स्वयं सेवकों ने छोड़ने की सार्वजनिक रूप से घोषणा कर दूसरों को नशामुक्त करने की शपथ भी लिया ताकि नशा मुक्त युवा और नशामुक्त समाज की स्थापना हो सके।उक्त योजना में सहायक अधिकारी मनोहर सिंह बरनाला जी का सहयोग महत्वपूर्ण रहा।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

बॉलीवुड पुरानी चीजों को नए तरीके से पेश कर रहा', क्रिएटिविटी पर बोलीं टिस्का चोपड़ा

बॉलीवुड अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने साल 2025 में निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है। उन्होंने थ्रिलर फिल्म 'साली मोहब्बत' का निर्देशन किया है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी और फिल्म को मिले-जुले रिएक्शन हासिल हुए थे। अब टिस्का का ऐसा मानना है कि बॉलीवुड में क्रिएटिव नजरिए से रिस्क लेने से मेकर्स काफी घबराते हैं और वो राइटिंग पर कम ध्यान देते हैं।

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत के दौरान टिस्का चोपड़ा ने बॉलीवुड में होने वाले बदलावों को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री की उन कमियों का भी जिक्र किया, जिन्हें दूर किया जाना बहुत जरूरी है। एक्ट्रेस ने कहा कि समस्या यह है कि हम फलों को पानी दे रहे हैं, जड़ों को नहीं, यानी लेखन को। काम बेहद सतही हो गया है। मैं यह नहीं कह रही कि कॉमर्शियल या कॉमेडी फिल्में नहीं बन सकतीं, लेकिन इसकी शुरुआत राइटिंग से होती है।

आपको अपने लेखकों को समय देना होगा और उन्हें आइडियाज पर सोचने की आजादी देनी होगी, तभी वो कुछ क्रिएटिव सोच पाएंगे। लेकिन हम लेखकों को प्रोत्साहित नहीं करते। हम बहुत डरे हुए हैं। कोई भी जोखिम नहीं लेना चाहता। हम वही पुरानी चीजें थोड़े-बहुत बदलाव के साथ करते रहते हैं। दर्शक अब इसे पसंद नहीं कर रहे हैं। जब आप दृढ़ विश्वास के साथ कुछ नया लाते हैं, तो लोग उसे स्वीकार कर लेते हैं।

कई और दिग्गज भी क्रिएटिविटी को लेकर कर चुके हैं बात

टिस्का चोपड़ा से पहले भी कई दिग्गज बॉलीवुड में लेखकों को प्रोत्साहित करने और राइटिंग में कुछ क्रिएटिव करने की बात कह चुके हैं।

धुरंधर की तारीफ करते हुए अधिकांश लोगों ने फिल्म की राइटिंग और उसके तकीनीकि पक्ष की तारीफ की है। इनमें ऋतिक रोशन, सुधीर मिश्रा और राम गोपाल वर्मा जैसे दिग्गजों के नाम शामिल हैं।

ओह माय गॉड 3 में रानी मुखर्जी की एंट्री! पहली बार अक्षय कुमार के साथ किसी फिल्म में साथ काम कर सकती हैं एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी के अक्षय कुमार के साथ फिल्म ओह माय गॉड फ्रेंचाइजी के तीसरे पार्ट में शामिल होने की चर्चा है। अगर यह कास्टिंग फाइनल होती है, तो दोनों पहली बार किसी फिल्म में साथ काम करेंगे।

ओह माय गॉड 3 इस वक्त प्री प्रोडक्शन में है। मेकर्स फिल्म की शूटिंग साल 2026 के बीच में शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म के तीसरे पार्ट को डायरेक्टर अमित राय डायरेक्ट करेंगे। उन्होंने इससे पहले फ्रेंचाइजी के दूसरे पार्ट को डायरेक्ट किया था।

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने पिंकविला को बताया, यह हाल के समय की बड़ी कास्टिंग में से एक मानी जा रही है। ओह माय गॉड अक्षय कुमार की सबसे पॉपुलर फ्रेंचाइजी में से है। रानी मुखर्जी के जुड़ने से फिल्म का स्केल और बड़ा हो गया है। उनकी मौजूदगी कहानी को नया और मजबूत रूप देगी।

सूत्र के मुताबिक, इस बार मेकर्स कहानी को और बड़े लेवल पर ले जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, अमित राय ने इस बार पहले से ज्यादा असरदार और आज के समय से जुड़ी कहानी तैयार की है। अक्षय कुमार का भी मानना है कि तीसरा पार्ट हर मामले में बड़ा होना चाहिए। इसमें कहानी, भावनाएं और परफॉर्मेंस सब शामिल हैं। रानी के आने से फिल्म और मजबूत हो गई है। बता दें कि ओह माय गॉड साल 2012 में रिलीज हुई थी। इसमें परेश रावल और अक्षय कुमार थे। फिल्म का निर्देशन उमेश शुक्ला ने किया था। वहीं ओह माय गॉड 2 साल 2023 में रिलीज हुई थी। इसमें पंकज त्रिपाठी, अक्षय कुमार और यामी गौतम थे।

'गांधी टॉक्स' के टीजर में विजय सेतुपति ने चौंकाया, साथ दिखे ये कलाकार

विजय सेतुपति दक्षिण भारतीय फिल्मों में अपने उम्दा अभिनय के लिए जाने जाते हैं। वह शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' में विलेन के रोल में भी नजर आए। साथ ही कई चर्चित हिंदी वेब सीरीज का भी वह हिस्सा रहे। शनिवार को विजय सेतुपति की साइलेंट फिल्म 'गांधी टॉक्स' का टीजर रिलीज हुआ। इसमें उनके साथ अदिति राव हैदरी और अरविंद स्वामी भी नजर आए। यह फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है।

फिल्म 'गांधी टॉक्स' 30 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के टीजर के साथ मेकर्स ने एक कैप्शन भी लिखा। इसमें वह लिखते हैं, 'उन्होंने चुपचाप प्यार किया। उन्होंने चुपचाप पाप किया। उन्होंने चुपचाप दुख झेला। यह फिल्म उसी चुप्पी के बारे में बताती है।'

टीजर में मिली कहानी की झलक

'गांधी टॉक्स' के टीजर में विजय सेतुपति के हाथ में पहले एक दराती नजर आती हैं। टीजर में अदिति राव हैदरी और अरविंद स्वामी की झलक भी मिलती है। विजय सेतुपति आगे एक सीन में अपने हाथ में सौ का नोट लिए नजर आते हैं। इस फिल्म में कॉमेडियन सिद्धार्थ जदाव भी नजर आते हैं। फिल्म पूरी तरह से साइलेंट हैं, कोई डायलॉग नहीं है। लेकिन के टीजर में एक जगह पर लिखा है कि यह फिल्म बापू के संदेशों की याद दिलाई। फिल्म में म्यूजिक ए आर रहमान ने दिया है।

The 50 : क्या पुराने पैटर्न को बदलेगा 'द 50' रियलिटी शो को लेकर फराह खान ने कही बड़ी बात

टीवी पर जल्द ही शो 'द 50' आने वाला है। इसे लेकर दर्शकों में उत्साह है। अपकमिंग शो को लेकर फिल्ममेकर, कोरियोग्राफर और निर्माता फराह खान ने उत्साह दिखाया है। उन्होंने शो 'द 50' को भारतीय टेलीविजन के लिए गेम चेंजर बताया है। आइए जानते हैं उन्होंने शो के बारे में और क्या कहा है?

शो 'द 50' के बारे में बात करते हुए फराह खान ने एएनआई से कहा 'भारत में रियलिटी शो वर्षों से एक खास पैटर्न पर चल रहे हैं। 'द 50' उस पैटर्न को बदलने आ रहा है। इसका पैमाना काफी बड़ा है, इसमें लोगों की संख्या भी बहुत है। काम के दबाव की वजह से आराम करने की कोई गुंजाइश नहीं है। यही बात इसे रोमांचक बनाती है। यह हैरतअंगेज है। इसमें शुरू से आखिर तक एक जबरदस्त सफर है। लगभग हर तरह के रियलिटी फॉर्मेट को देखने और जज करने के बाद, मुझे सच में लगता है कि 'द 50' रियलिटी शो को देखने का दर्शकों का तरीका बदल देगा।'

प्रोमो में क्या है?

मेकर्स ने एक प्रोमो के जरिए 'द 50' की झलक दिखाई है। जिसकी शुरुआत फराह खान के एक बड़े ऐड की ओर देखने से होती है। इस पर लिखा है, 'बदलने वाली है रियलिटी शो की रियलिटी।' इस क्लिप में, वह मजाकिया अंदाज में सवाल करती हैं कि उन्हें भारत के सबसे बड़े रियलिटी शो कहे जाने वाले शो के लिए क्यों नहीं बुलाया गया। इसके बाद मजाकिया बातचीत होती है। प्रोमो में फराह खान अपने बेबाक अंदाज में 'द 50' और उसके होस्ट, द लायन पर रिएक्ट करती हैं।

50 कंटेस्टेंट होंगे शामिल

'द 50' का प्रीमियर 1 फरवरी को होगा, यह जियोहॉटस्टार और कलर्स पर स्ट्रीम होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें शिव ठाकरे, अंशुला कपूर, धनश्री वर्मा, अंकिता लोखंडे, उर्फी जावेद, तान्या मित्तल, निक्की तंबोली, प्रतीक सहजपाल और फैजू नजर आ सकते हैं।

आरती नागपाल... यह तारीख चुपचाप मेरे जीने के अंदाज को बदल रही है

तीन साल हो गए.... और यह तारीख- 27 दिसंबर, चुपचाप मेरे महसूस करने, अनुभव करने, जीने और काम करने के तरीके को बदल रही है। यह कहना है बॉलीवुड सेलिब्रिटी आरती नागपाल का, उन्होंने कहा- 2023 में, मैं यहां एक सेलिब्रिटी मेहमान के तौर पर खड़ी थी। इस साल, मैं एक सेवक बनकर खड़ी हूं। वही त्योहार, वही जगह, फिर भी अंदर की दुनिया 180 डिग्री बदल गई है। वे कहती हैं कि- मुझे इतना कुछ मिला है, कि अब मैं बस देना, देना और देना चाहता हूं। उनके आशीर्वाद से, मेरे दिल में भरे प्यार को बांटना चाहता हूं।

आरती कहती हैं- समय बिजली की तेज़ी से भाग रहा है, ज़िंदगी हर दिन बहुत तेज़ी से आगे बढ़ रही है और मेरा अंदर का मन, मेरा दिव्य साथी, मेरे मैत्रेय दादाश्रीजी। उन्होंने मुझे इतनी गहराई से बदल दिया है कि अब कुछ भी पहले जैसा नहीं लगता। मैं और मेरे बच्चे अब निस्वार्थ सेवा भाव से ज़िंदगी जी रहे हैं, कभी भी, कहीं भी, तैयार.... जिंदगी में बहुत कुछ करने की चाह, अब लोक कल्याण के भाव में बदल गई है! आरती कहती हैं.... ईश्वर की कृपा से, दोनों बच्चों की उन्नति सही दिशा में हो रही है, दोनों कला और कृति के क्षेत्र में सुंदर फूलों की भांति खिल रहे हैं।

वे कहती हैं कि पूरी दुनिया एक बड़ा मंच बन गई है, प्यार, मैत्री और शांति दिखाने के लिए। अगर हम कर सकते हैं, तो आप भी कर सकते हैं। अपने जुनून को फॉलो करें।

प्यार से काम करें। ज़िंदगी हमारे चुने हुए रास्तों से बनती है, हमने प्यार को चुना, हमने मैत्री भाव को चुना। अपनी बेटी प्रियांशी और बेटे वेदांत को इतनी खूबसूरत आत्माओं के रूप में बढ़ते देखकर, ऐसी पर्सनैलिटी जिन्हें आज के युवा पसंद करते हैं और जिनसे प्रेरणा लेते हैं, मेरा दिल बहुत ज्यादा कृतज्ञता से भर जाता है। उनका संगीत भक्तिपूर्ण और मनमोहक है, उनके हाव-भाव दिव्य और कलात्मक हैं। यही... मेरे दादाजी का तोहफ़ा है!

जैसलमेर तनोट माता का आशीर्वाद लेने पहुंची बॉर्डर-2 की पूरी टीम, सोनू निगम ने जाहिर की खुशी

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म बॉर्डर-2 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, लेकिन उससे पहले फिल्म का पहला गाना घर कब आओगे चर्चा में बना हुआ है। घर कब आओगे गाने का ऑडियो रिलीज हो चुका है, लेकिन इसका वीडियो जैसलमेर के तनोट माता मंदिर के पास लोंगेवाला में शुक्रवार शाम को रिलीज किया जाएगा। इस मौके पर सिंगर सोनू निगम गाने को लेकर काफी उत्साहित दिखे।

बॉर्डर 2 के गाने घर कब आओगे की भव्य लॉन्चिंग के लिए फिल्म की पूरी स्टारकास्ट और सिंगर्स जैसलमेर पहुंच चुके हैं। एयरपोर्ट पर सोनू निगम, वरुण धवन, भूषण कुमार, अहान शेट्टी और निधि दत्ता को भी देखा गया। पहले फिल्म की पूरी स्टारकास्ट भारत-पाक सीमा स्थित तनोट माता मंदिर में दर्शन के लिए जाएगी और फिर गाने की भव्य लॉन्चिंग में शामिल होगी। सनी देओल भी म्यूजिक लॉन्च में शामिल होंगे।

सोनू निगम ने म्यूजिक लॉन्च से पहले मीडिया से बात करते हुए कहा, गाने को 30 साल पहले गाया था और दोबारा वैसा ही गाना गाने का मौका मिला है, बहुत खुशी हो रही है और ये गाना मेरे दिल के बहुत करीब है। उन्होंने आगे बताया कि वे पहली बार तनोट माता मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे हैं और ये उनके लिए सौभाग्य की बात है।

गाने की लॉन्चिंग में सीमा की रक्षा करने वाले देश के जवान भी शामिल होंगे और उन्हीं के सामने गाने की लॉन्चिंग की जाएगी। इससे पहले फिल्म का टीजर लॉन्च भी भव्य तरीके से आयोजित हुआ था और इस मौके पर सनी देओल की आंखें नम थीं।

बता दें कि फिल्म 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई लोंगेवाला की लड़ाई से प्रेरित है। इस युद्ध में भारतीय

वायुसेना का बड़ा योगदान रहा था, जिसने पाकिस्तान के मंसूबों को ध्वस्त कर दिया था। फिल्म बॉर्डर में भी भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध को दिखाया गया, लेकिन उसमें सारा फोकस थल सेना पर था, लेकिन बॉर्डर-2 में वायुसेना और थल सेना दोनों के महत्वपूर्ण योगदान को दिखाया गया है।

खास खबर

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने शनिवार को जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आपातकालीन वार्ड सहित चिकित्सालय की विभिन्न इकाइयों एवं वार्डों में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय में मरीजों को दी जा रही सेवाओं, व्यवस्थाओं एवं आवश्यकताओं का आकलन कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सालय परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा मरीजों के परिजनों को दीदी की रसोई में ही भोजन करने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने परिसर में निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. चतुर्वेदी, सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. पी. एल. मंडावी, डीपीएम भावना माहलवार सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सिहावा में मनाया गया शाकम्बरी जयंती

नगरी। ग्राम सिहावा में श्री शृंगी ऋषि आश्रम के नीचे कोसरिया मरार पटेल समाज के तत्वधान में शाकम्बरी जयंती मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी धमतरी जिला अध्यक्ष प्रकाश बैस पहुंचे। इस अवसर पर ग्रामवासियों के द्वारा माँ शाकम्बरी का पूजा अर्चना किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रकाश बैस ने सभी को शाकम्बरी जयंती की शुभकामनाएँ दीं तथा समाज व ग्राम के सतत विकास की कामना किए। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष प्रकाश बैस, छत्तीसगढ़ प्रदेश व सिहावा राज संरक्षक अमर सिंह पटेल, अध्यक्ष कोसरिया मरार पटेल समाज कन्हैया लाल कौशल, कर्णेश्वर महादेव ट्रस्ट अध्यक्ष विकल गुप्ता, जनपद सभापति प्रेमलता नागवंशी, लतखोर पटेल, नारायण पटेल, अँजोर निषाद, राजेश यदु, सुनील सिंहसार, बलदेव निषाद, चित्रांश नागवंशी, सियाशरण पटेल, हरचंद पटेल, लोकेश्वर पटेल, लकेश पटेल, भूपेश पटेल, कन्हैया पटेल, राघवेंद्र पटेल, ऋषि पटेल, कमल पटेल सहित कोसरिया मरार पटेल के वरिष्ठजन, सामाजिक बंधु व ग्रामवासी उपस्थित हुए।

धान खरीदी व्यवस्था की शुचिता बनाए रखने प्रशासन सतर्क

अंबिकापुर। जिले में धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाए रखने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में तहसील अंबिकापुर अंतर्गत ग्राम कालापारा में पुराने धान के अवैध संकलन का मामला सामने आने पर त्वरित कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार ग्राम कालापारा निवासी महेंद्र प्रसाद राजवाड़े, पिता चमरू द्वारा पुराना धान एकत्र कर सुखरी सहकारी समिति में लाया गया था। जांच के दौरान नियमों के विपरीत पाए जाने पर कुल 76 बोरी धान जब्त किया गया। जब्त धान को नियमानुसार सुखरी समिति के सुपुर्द कर दिया गया है। कार्रवाई के दौरान राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम मौके पर मौजूद रही। इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक अखिलेश कुमार सिंह, पटवारी रमेश कुमार मिश्रा, पटवारी गया राम तथा कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा आवश्यक दस्तावेजी कार्यवाही एवं पंचनामा तैयार कर नियमानुसार प्रक्रिया पूर्ण की गई। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समर्थन मिश्रण अथवा अवैध भंडारण की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखते हुए सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सुगम आवागमन सुविधा हेतु विधायक भावना बोहरा ने 4.86 करोड़ से अधिक के सड़क निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ में डबल इंजन भाजपा सरकार बनने के बाद से निरंतर विकास कार्यों एवं अधोसंरचना निर्माण को गति मिल रही है। पंडरिया विधानसभा में क्षेत्र की सक्रीय विधायक भावना बोहरा जी के सतत प्रयासों से क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में पक्की सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, जिससे हर व्यक्ति को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल रही है।

विधायक भावना बोहरा ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना अंतर्गत 4 करोड़ 86 लाख 26 हजार रुपए की लागत से निर्मित होने वाले कुल 3 सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया और क्षेत्रवासियों को बधाई दी। इस दौरान विधायक भावना बोहरा ने 1 करोड़ 83 लाख 95 हजार की लागत से निर्मित होने वाले बगदई से कौड़िया सड़क, 1 करोड़ 57 लाख 44 हजार की लागत से निर्मित होने वाले बनिया से कारेसरा मार्ग एवं 1 करोड़ 44 लाख 87 हजार की लागत से गांगीबहरा से हथलेवा सड़क निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया।इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि डबल इंजन भाजपा सरकार विकास, सेवा और सुशासन के संकल्प के साथ जनाकांक्षाओं को पूरा करने प्रतिबद्ध है। सुदृढ़ सड़कें न केवल आवागमन को सरल बनाएँगी, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक प्रगति को भी नई दिशा देगी। हमारा यही प्रयास है कि हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली और क्षेत्र की प्रगति हो। इसी कड़ी में आज 3 बहुप्रतीक्षित सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया और जल्द ही यह सड़कें बनकर तैयार हो जाएँगी जिससे क्षेत्रवासियों को लाभ मिलेगा। गाँव-गाँव तक पक्की सड़क, बिजली एवं शुद्ध पानी की पर्याप्त आपूर्ति, विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्यों से क्षेत्र की आर्थिक प्रगति एवं जनता व किसानों का सशक्तिकरण के लिए हम सतत प्रयास कर रहें हैं। विगत 2 वर्षों में पंडरिया विधानसभा ने विकास के कई आयाम स्थापित किये हैं। शहर से लेकर गाँव और गाँव से लेकर वनांचल व दूरस्थ क्षेत्रों तक सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। विकास कार्यों के साथ ही किसानों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई बहुप्रतीक्षित सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण भी प्रारंभ हो चुका है जिससे किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल की आपूर्ति सुनिश्चित होगी।उन्होंने कहा कि आज डबल इंजन भाजपा सरकार में पंडरिया विधानसभा में योजनाओं का क्रियान्वयन से लेकर विकास कार्यों से लोगों के जीवन में सकारातमक परिवर्तन आ रहा है। जनता की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही हैं। महिला, युवा, किसान और हर समाज एवं वर्ग के लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़कर पंडरिया की प्रगति में अपनी सक्रीय सहभागिता निभा रहे हैं। जनता ने जिस विश्वास से हमें अपनी सेवा और क्षेत्र की तरक्की के लिए जनादेश दिया उसका सम्मान करते हुए हम दिन-रात कार्य कर रहें हैं और पंडरिया को समृद्ध, सशक्त और विकसित बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अवागम सुविधा को सुदृढ़ करने के लिए निरन्तर प्रयास हो रहें हैं हाल ही में 16 सड़को के निर्माण हेतु 1 करोड़ 54 लाख रु. से अधिक एवं बजट 2024-25 में स्वीकृत 3 सड़कों के निर्माण व मरम्मत हेतु 7 करोड़ 43 लाख रु. से अधिक की स्वीकृति मिली है। भावना बोहरा ने बताया कि वर्तमान में पंडरिया विधानसभा में 400 करोड़ से अधिक के विकास,अधोसंरचना निर्माण एवं सिंचाई परियोजनाएं हो रहें हैं जिससे क्षेत्र की अर्तव्यवस्था को गति एवं पंडरिया विधानसभा की जनता को सुविधा मिल रही है। आज पंडरिया विधानसभा में अधोसंरचना विकास के साथ ही जनता की मूलभूत सुविधाओं, ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का विस्तार, चौक-चौराहों व पुल-पुलियों का निर्माण, तालाबों एवं शहरों का सौन्दर्यीकरण, बिलजी,पानी की पर्याप्त आपूर्ति एवं आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में विकास कार्य ध्रुव गति हो रहे हैं। पूर्ण पारदर्शिता के साथ उच्च गुणवत्ता के कार्यों से कांग्रेस शासन में 5 वर्षों तक उपेक्षित रहा हमारा पंडरिया विधानसभा आज निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर हो रहा है। भूमिपूजन के अवसर पर जिला पंचायत सदस्य रोशन दुबे ,जनपद पंचायत अध्यक्ष दुर्गा सिंह, मंडल अध्यक्ष नरेश साहू , मंडल महामंत्री धरमपाल कौशिक , दारा सिंह राजपूत , तिलक सेन, सुदर्शन कुम्भकार सुरेश कौशिक , गोपाल कौशिक , गिरधर साहू , अनिल वैष्णव , मोरध्वज साहू , ओमकार वैष्णव , लीलेश्वर वैष्णव , नीकू साहू , अजय निर्मलकर , दिनेश कौशिक जी, विनय परमार , गजाधर कौशिक , ओम प्रकाश वैष्णव , भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

15 जनवरी को सेना दिवस पर रायपुर लोकसभा क्षेत्र में होगा ऐतिहासिक 'सामूहिक वन्देमातरम' का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

वन्देमातरम की 150वीं वर्षगांठ पर 5 लाख विद्यार्थी एक साथ गायेंगे राष्ट्रीय गीत

रायपुर। 15 जनवरी को सेना दिवस के पावन अवसर पर रायपुर लोकसभा क्षेत्र में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिलेगा। वन्देमातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रायपुर एवं बलौदा बाजार-भाटापारा जिले के सभी शासकीय एवं निजी शिक्षण संस्थानों में एक साथ सामूहिक वन्देमातरम गान का ऐतिहासिक आयोजन किया जाएगा।

इस भव्य आयोजन की तैयारियों को लेकर रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने आज संबंधित विभागों, शिक्षा संस्थानों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि रायपुर और बलौदा बाजार-भाटापारा क्षेत्र के लगभग 3000 स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में यह आयोजन होगा, जिसमें करीब 5 लाख विद्यार्थी सहभागिता करेंगे। राजधानी रायपुर के सुभाष स्टेडियम में मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा, जहां 25,000 विद्यार्थी एक साथ वन्देमातरम का सामूहिक गान करेंगे।

जिनके ऊपर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में एनसीसी, एनएसएस, रेडक्रॉस तथा स्काउट्स एंड गाइड्स के कैडेट्स की भी सक्रिय सहभागिता रहेगी। सभी शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थी सुबह 11 बजे एकत्रित होंगे। पहले प्रस्तावना का वाचन होगा और ठीक 12:55 बजे पूरे क्षेत्र में एक साथ वन्देमातरम गान आरंभ होगा। इसके पूर्व 11:30 से 12:30 बजे तक देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि महान साहित्यकार एवं राष्ट्रभक्त कवि बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा 7 नवंबर 1875 को रचित वन्देमातरम गीत ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जन-जन के भीतर राष्ट्रभक्ति की चेतना जगाने का कार्य किया। उसकी 150वीं वर्षगांठ और सेना दिवस जैसे गौरवपूर्ण अवसर पर यह आयोजन आज की पीढ़ी के मन में समर्पण, अनुशासन और देशभक्ति की भावना को और सुदृढ़ करेगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक गीत का सामूहिक गायन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध, सेना के सम्मान और भारत माता के प्रति अटूट श्रद्धा से जोड़ने का एक ऐतिहासिक प्रयास है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन, निजी विश्वविद्यालय आयोग के अध्यक्ष वी के गोयल, पंडित रविशंकर विवि के कुलसचिव एस के पटेल, कुलसचिव तकनीकी विवि के कुलसचिव दिनेश सिन्हा, आयुष विवि के कुलसचिव, एडिशनल डायरेक्टर एविएशन सूरज कुमार साहू, डिप्टी डायरेक्टर हेल्थ ए एस कन्नौजे, एडिशनल कमिश्नर नगर निगम मनोज पांडेय,

एनसीसी से स्क्वाड्रन लीडर एम जोरार, जिला स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक संचालक एम मिंज, एनटीपीसी के डीजीएम कम्युनिकेशन सहदेव सेठी, डॉ लुकेश्वर सिंह गजपाल, प्रोग्राम कोआर्डिनेशन एनएसएस रायपुर, मृत्युंजय शुक्ला सचिव स्काउट्स एंड गाइड्स , प्रवेश जोशी जिला खेल अधिकारी, श्रीकांत चितले कृषि विवि, लक्ष्मी सिंह जवाहर नवोदय विद्यालय माना उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माहः वाहन चालकों का निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत धमतरी में सड़क सुरक्षा से जुड़े जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान की शुरुआत एसपी धमतरी द्वारा यातायात जन-जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर की गई, जिसका उद्देश्य जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना है। अभियान के दूसरे दिन हेलमेट जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट के अनिवार्य उपयोग का संदेश दिया गया। साथ ही स्कूली बच्चों एवं स्काउटङ्गगाइड के छात्रों ने हाथों में तख्तियां और स्लोगन लेकर पैदल जागरूकता रैली निकाली, जिसमें यातायात नियमों के पालन एवं नशा उन्मूलन का संदेश दिया गया।

इसी श्रृंखला में आज धमतरी पुलिस यातायात शाखा द्वारा एसपी धमतरी के निर्देश पर कृषि उपज मंडी श्यामतराई में वाहन चालकों के लिए नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें कुल 108 वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण किया गया। नेत्र विशेषज्ञों द्वारा चालकों की दृष्टि क्षमता एवं अन्य नेत्र संबंधी जांच की गई तथा आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया। इस पहल का उद्देश्य दृष्टि संबंधी कमियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकना तथा सुरक्षित एवं जिम्मेदार ड्राइविंग को प्रोत्साहित करना है। उल्लेखनीय है कि धमतरी पुलिस द्वारा लगातार एक माह तक पूरे जिले में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें रैली, जन-जागरूकता गतिविधियाँ शामिल हैं।

शासन की योजना बनी सहारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के हर परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास देने के विज़न के अनुरूप प्रधानमंत्री आवास योजना ज़मीनी स्तर पर लोगों की ज़िंदगी बदल रही है। इसी का जीवंत उदाहरण हैं नगर पंचायत फरसगांव, जिला कोंडागांव के वार्ड क्रमांक 4 निवासी हेमचंद नाग, जिन्होंने इस योजना के माध्यम से अपने पिता तिरकू राम नाग को पक्का मकान उपहार में दिया।

हेमचंद नाग ने बताया कि उनका पुराना मकान बांस और मिट्टी से बना हुआ था, जो बरसात के दिनों में बार-बार क्षतिग्रस्त हो जाता था। कमजोर दीवार के कारण परिवार के सभी सदस्यों पिता, पत्नी और दो बच्चों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। हालात ऐसे हो गए थे कि सुरक्षा की दृष्टि से उन्हें अपने पिता को कुछ समय के लिए भाई के घर भेजना पड़ा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों तक लाभ पहुँचाने की नीति के तहत, वार्ड स्तर पर जानकारी के दौरान हेमचंद नाग को योजना से जोड़ा गया। नगर पंचायत एवं संबंधित अधिकारियों की सक्रिय भूमिका से आवास स्वीकृत हुआ और 29 वर्गमीटर क्षेत्रफल का पक्का मकान 3.05 लाख रुपये की लागत से बनकर तैयार हुआ। गृह प्रवेश के शुभ अवसर पर हेमचंद नाग ने सबसे पहले अपने पिता के हाथों विधिवत पूजा करवाई और भावनाओं के साथ यह पक्का मकान उन्हें समर्पित किया। नया घर देखकर पिता भावुक हो उठे। हेमचंद नाग ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का विज़न केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं है।

मलेरिया रोकथाम पर संवाद से ही होंगे बेहतर हालात-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। कलेक्टर संबित मिश्रा के दिशा-निर्देश एवं जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.आर. पुजारी तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक विनोद कुमार साहू के नेतृत्व में जिला समन्वयक अशोक पाण्डेय एवं बीजादूतीर स्वयंसेवक मलेरिया मुक्त बीजापुर अभियान को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

बीजापुर जिला मलेरिया से सर्वाधिक प्रभावित जिलों में से एक है। मलेरिया की रोकथाम को लेकर कलेक्टर संबित मिश्रा ने व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर देते हुए लोगों में व्यवहार परिवर्तन एवं सामाजिक बदलाव लाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने मलेरिया नियंत्रण एवं उन्मूलन के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मलेरिया के मामलों में कमी लाना एवं आमजन को इसके बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना है। स्वास्थ्य विभाग के बीएमओ, मितानिन प्रशिक्षक, मितानिन कार्यकर्ता एवं बीजादूतीर स्वयंसेवकों के समन्वय से जिले के लगभग 300 बीजादूतीर स्वयंसेवक मलेरिया की रोकथाम, लक्षण एवं उपचार संबंधी जानकारी जन-जन तक पहुँचा रहे हैं। मलेरिया से बचाव हेतु मच्छरदानी का उपयोग, घर-आसपास साफ-सफाई, गंदे पानी का जमाव न होने देना, पूरे ढके हुए कपड़े पहनना तथा बुखार या अन्य लक्षण होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने के लिए लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर मलेरिया जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। बीजादूतीर स्वयंसेवकों द्वारा विकासखंड भैरमगढ़ के ग्राम पंचायत चिनगेर, पिनकोंडा, कोडोली तथा विकासखंड भोपालपटनम के ग्राम पंचायत तिमेड़, अटकुपल्ली एवं रामपेठा में मलेरिया जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त ब्लॉक की सभी ग्राम पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यूनिसेफ द्वारा प्रदत्त पिको प्रोजेक्टर के माध्यम से महिला एवं पुरुषों को मानसिक स्वास्थ्य एवं मलेरिया के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही रात्रि चौपाल के दौरान सामुदायिक स्तर पर क्षेत्रीय भाषा में मलेरिया संबंधी वीडियो का प्रदर्शन किया गया। जिला प्रशासन को विश्वास है कि मितानिन एवं बीजादूतीर स्वयंसेवकों की इस पहल से मलेरिया मुक्त बीजापुर की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी। जिला प्रशासन आम नागरिकों से अपील करता है कि मलेरिया से बचाव के उपाय अपनाएँ और स्वस्थ बीजापुर के निर्माण में सहयोग करें।

बिलासपुर में मनाया गया दान, धान व लोक कल्याण का महापर्व छेरछेरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। धान की कटाई के बाद मनाया जाने वाला छत्तीसगढ़ का लोकपर्व छेरछेरा सामाजिक समरसता और दान भावना का अनूठा उदाहरण है। पौष माह की पूर्णिमा पर मनाए जाने वाले इस पर्व को दान का महापर्व कहा जाता है। नगर में शनिवार को छेरछेरा पूर्णिमा की परंपरा पूरे उल्लास के साथ निभाई गई, इस अवसर पर गांवों के साथ शहर के बाजारों और मोहल्लों में भी लोकसंस्कृति जीवंत नजर रहीं।

छेरछेरा पर्व छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की आत्मा से जुड़ा हुआ है। यह त्योहार किसानों की सालभर की मेहनत, अन्न के सम्मान और समाज में बराबरी की भावना को दर्शाता है। जिले में पौष छेरछेरा पूर्णिमा पर सुबह से ही बच्चों की टोलियां हाथों में झोला, बोरी या थैला लेकर घर-घर निकल पड़े। छेरछेरा. माई कोठी के धान ला हेरते हेरा की लोकपंक्तियां गलियों, चौक-चौराहों और बाजारों में गूंजी। इस दिन लोग धान, चावल, पैसे या खाद्य सामग्री का दान करते हैं। मान्यता है कि छेरछेरा के दिन अन्नदान करने से घर में सुख-समृद्धि और धन-धान्य की कमी नहीं रहती। जूना बिलासपुर,गोंडपारा व्यापार विहार, गोल बाजार, तेलीपारा, तोरवा, सरकंडा और नेहरू चौक जैसे इलाकों में छेरछेरा बच्चों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं रहा।

छेरछेरा पुन्नी के अवसर पर आज बच्चों की टोली हितार्थ एक सेवा की संस्थापक सुनीता सिंह के निवास पर छेरछेराज माई कोठी में कोठी के धान ल हेरते हेरा गीत को गुंजायमान करती हुई पहुंची। जहां बच्चों को छेरछेरा के रूप में मिष्ठान वितरित किया गया एवं एवं उपहार देकर सभी बच्चों को संतुष्ट किया गया इस अवसर पर हितार्थ एक सेवा के फाउंडर मेंबर सुरेश सिंह बैस ने सभी बच्चों को मिष्ठान वितरित करते हुए कहा की छेरछेरा का यह पर्व छत्तीसगढ़ के सोंधी सोंधी माटी की खुशबू लेकर आता है। मां अन्नपूर्णा की कृपा को नतमस्तक करते हुए ये खुशियों भरा पर्व मनाया जाता है। इस अवसर पर लोक कल्याण की भावना और मां धरती और अन्नपूर्णा का इस कामना के साथ पूजा अर्चना किया जाता है की मां ऐसे ही कृपा हम सब पर बनाए रखें। इस अवसर पर बच्चों की टोली नए कपड़े, झोला और दोस्तों के साथ टोलियां बनाकर घर-घर जाना उनके लिए रोमांच से भरा होता है।छेरछेरा केवल बच्चों तक सीमित नहीं है।

इुमरमुड़ा एवं कोतरलिया की रेडी-टू-ईट इकाइयों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए रेडी-टू-ईट निर्माण को पुन: महिला स्व-सहायता समूहों से जोड़ने के शासन के निर्णय पर रायगढ़ जिले में तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

इसी क्रम में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने डुमरमुड़ा एवं कोतरलिया में स्थापित रेडी-टू-ईट निर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इकाइयों के संचालन से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण कर शासन द्वारा निर्धारित गुणवत्ता, स्वच्छता एवं पोषण मानकों के अनुरूप उत्पादन प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अभिजीत बबन पठारे, जिला कार्यक्रम अधिकारी एल.आर.कच्छप सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।कलेक्टर ने महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से चर्चा कर रेडी-टू-ईट इकाइयों के संचालन, आवश्यक संसाधनों, मशीनरी एवं प्रशिक्षण की स्थिति की जानकारी ली।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्पादन प्रारंभ करने से पूर्व सभी मानकों, स्वच्छता व्यवस्था एवं गुणवत्ता नियंत्रण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से रेडी-टू-ईट निर्माण की यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं को गुणवत्तापूर्ण पोषण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। जिला पंचायत सीईओ ने इकाइयों में स्वच्छता, गुणवत्ता परीक्षण, सुरक्षित भंडारण तथा समयबद्ध आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा इस योजना को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभिक चरण में 6 जिलों में लागू किया जा रहा है, जिसमें रायगढ़ जिला भी सम्मिलित है।

खास खबर

बुजुर्ग को जान से मारने की दी धमकी, गिरफ्तार

राजनांदगांव। राजनांदगांव शिक्षक कॉलोनी डोंगरगांव निवासी 69 वर्षीय कल्याण सिंह रावटे के साथ जातिगत गाली गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया। इसके बाद उनकी गिरफ्तारी भी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि बीते दिनों दिनेश गुप्ता व शुभांक गुप्ता के द्वारा रात में घर आकर दरवाजा खटखटाया। गाली गलौच की। जान से मारने की धमकी भी दी। जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ296, 351 (2), 3(5) बीएनएस और 3 (1)(ध), 3(2)(वी) एससी-एसटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया। कल्याण सिंह सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। उनकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली है।

मामूली विवाद के बाद पत्नी और बेटे को मारी गोली

अंबागढ़-चौकी। छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी एक शख्स ने मामूली विवाद के बाद पत्नी व बेटे पर भरमार बंदूक से फायर कर दिया। गोली लगने से बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसकी पत्नी की हालत गंभीर है जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद से आरोपी फरार है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। मामला जिले के अंबागढ़ चौकी क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार कुवारदल्ली गांव निवासी संत कुमार शुक्रवार की रात में जंगल के किनारे ईंट बना रहा था। इस बीच उसका अपनी पत्नी शांति बाई से विवाद हो गया। पत्नी से विवाद की बात जैसे ही बेटे शेखर को पता चली तो वह मौके पर पहुंचा और पिता को समझाने लगा। इस दौरान संत कुमार इतना ज्यादा गुस्सा आया कि उसने फायरिंग कर दी। गोली लगने से बेटे की मौके पर मौत हो गई। वहीं उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है।

अवैध शराब बिक्री करने वाला आरोपी गया जेल

भानुप्रतापपुर। पुलिस अधीक्षक महोदय कांकेर निखिल अशोक राखेचा के निर्देशन पर आईपीएस आकाश श्रीमाल सर, अति. पुलिस अधीक्षक कांकेर एवं एस.डी.ओ.पी शशेर बहादुर सिंह ठाकुर के पर्यवेक्षण में थाना भानुप्रतापपुर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर 01 प्रकरण आबकारी अधिनियम के तहत अपराध क्रमांक 03/2026 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट करवाई किया जाकर आरोपी (01) झन्नू राम कोरेटी पिता बीरसिंह कोरेटी उम्र 31 वर्ष निवासी कोरेटीपारा बांसला थाना भानुप्रतापपुर जिला कांकेर के कब्जे से एक सफेद रंग की बोरी के अंदर रखा कार्टून में बियर 7 लीटर 800 एमएल कीमती 2430 रुपए एवं मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 19 बीएल 3486 स्प्लेंडर प्लस नीला काला रंग में परिवहन करने से जप्त तक किया गया है।

रुपए नहीं देने पर पति ने पत्नी पर डाला गर्म पानी

रायगढ़। रायगढ़ में जुआ खेलने के लिए रुपए नहीं देने पर एक शराबी पति की बर्बरता सामने आई है। चक्रधर नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत सुरेंद्र गुप्ता ने अपनी पत्नी तेजस्वनी से पैसों की मांग की। पत्नी द्वारा मना करने पर आरोपी ने पहले गाली-गलौज की और फिर लोहे के पाइप से उसकी पीठ पर वार किया। क्रूरता की हद पार करते हुए पति ने चूल्हे पर उबलता गर्म पानी पत्नी के ऊपर डाल दिया, जिससे वह बुरी तरह झुलस गई। महिला की चीख सुनकर पहुंचे ससुर ने मितानिन की सहायता से उसका उपचार कराया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

नए साल के साथ दुर्घटनाओं का दौर शुरू

रायगढ़ में 3 दिन में 5 की मौत : ट्रक ने युवक को कुचला, हाईवा ने बाइक सवारों को मारी टक्कर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला में नया साल शुरू होते ही दुर्घटनाओं का दौर भी शुरू हो चुका है। 3 दिनों में 5 लोगों की मौत सड़क हादसे में हो गई है। वहीं राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह भी जारी है और यातायात पुलिस लोगों को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक कर रही है। इसके बाद भी लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं।

पहली घटना 1 जनवरी को घटित हुई। जिसमें कांशीराम चौक का रहने वाला संजय कुमार कुर्मी और लोईंग निवासी केशव मेहर सुबह साढ़े 10 बजे किसी काम से बाइक पर सवार होकर ढिमरापुर चौक की ओर से खर्राघाट जा रहे थे। इस दौरान केशव पीछे बैठा हुआ था, तभी फायर बिग्रेड कार्यालय के सामने ट्रक के चालक ने ठोकर मार दिया। इससे केशव बाइक से गिरकर ट्रक के चक्के के नीचे आ गया।

उसके कमर के उपर वाहन का पहिया चढ़ गया। जिससे उसकी मौत हो गई थी। इस घटना को लेकर क्षेत्र के आक्रोशित लोगों ने मौके पर चक्काजाम भी कर दिया था।

हाईवा ने बाइक सवार 2 युवकों को कुचला

दूसरी घटना लैलूंगा थाना क्षेत्र की है। जहां शनिवार को ग्राम तोलमा का रहने वाला डोमिनिक टोप्पो 30 साल और उसका साथी संजय मिंज 32 साल प्लेटिना बाइक में सवार होकर लैलूंगा से अपने घर जा रहे थे। तभी ग्राम बीरसिंघा के पास हाईवा से साईड लेते हुए उससे आगे बढ़ रहा था। तभी हाईवा का चालक तेज रफ्तार वाहन को चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया।

इससे दोनों गिर गए और हाईवा वाहन का दाहिने तरफ का चक्का उनके सिर पर चढ़ गया। इससे मौके पर संजय व डोमोनिक की मौत हो गई।

उर्दना तिराहा के पर देर रात हुआ हादसा

तीसरी घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के उर्दना तिराहा की है। भेलवाटिकरा निवासी जीवन बरेठ 28 साल गाड़ी चलाने का काम करता है। शुक्रवार की रात करीब डेढ़ बजे जीवन अपने परिजनों को किसी से आने की बात कह कर बाइक पर सवार होकर निकला। तभी उर्दना तिराहा के पास अज्ञात वाहन के चालक ने उसे जबरदस्त ठोकर मार दिया।

इससे मौके पर उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजवाया।

सड़क किनारे रेलिंग से जा टकराई बाईक

चौथी घटना खरसिया थाना क्षेत्र की है। जिसमें गोड़म का रहने वाला पंकज 24 साल अपनी बाइक पर सवार होकर खरसिया की ओर से आ रहा था।

तभी ग्राम चारभांठा के पास तेज रफ्तार बाइक से उसका नियंत्रण खो बैठा और बाइक सड़क किनारे लगे रैलिंग से टकरा गई। घटना के इसके सिर और शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोट पहुंची और इसकी मौत हो गई। घटना के बाद मामले की सूचना पर डायल 112 मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजवाया। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई में जूट गई है।

नियमों को तोड़ने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी

इस संबंध में ट्रैफिक DSP उत्तम प्रताप सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। ओवर स्पीड और ट्रैफिक नियमों को तोड़ने वालों पर कार्रवाई भी की जा रही है। आने वाले समय में समझाईश और कार्रवाई बढ़ा दी जाएगी, ताकि वाहन चालक नियमों का पालन करे और दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले 02 आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदा-बाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना समाधान सेल प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी समाधान सेल हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है।

समाधान सेल के माध्यम से आपराधिक कार्यों में संलिप्त

व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है। इसी तारतम्य में दिनांक 01 जनवरी 2026 को समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर चौकी करहीबाजार की पुलिस टीम द्वारा ग्राम करहीबाजार में घेराबंदी कर अवैध रूप से बिक्री करने के लिए शराब ले जाते हुए 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी शराब कोचियों से 3800 कीमत मूल्य का 38 पाव देशी मसाला शराब एवं अवैध रूप से शराब परिवहन में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी22 आर 2825 जप्त किया गया है। आरोपियों के विरुद्ध चौकी करहीबाजार में धारा 34(2) आबकारी के तहत प्रकरण पंजीबध्द कर आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

1. विरेन्द्र सेन उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम करहीबाजार चौकी करहीबाजार, 2. राज रात्रे उम्र 19 साल निवासी ग्राम करहीबाजार चौकी करहीबाजार

करंट से जंगली सुअर का कर रहे थे शिकार वन विभाग ने 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के जंगलों में जंगली जानवर सुरक्षित नहीं रह गए हैं। शिकारियों द्वारा लगातार वन्यप्राणियों को निशाना बनाया जा रहा है। मौका मिलते ही शिकारी जानवरों का शिकार कर उनके मांस की बिक्री या उपभोग कर रहे हैं। ऐसा ही एक गंभीर मामला जिले के सोनाखान क्षेत्र से सामने आया है।

मिली जानकारी के अनुसार, 31 दिसंबर की रात्रि गश्त के दौरान वन विभाग की टीम ने सोनाखान क्षेत्र के कक्ष क्रमांक 238 में 11 के.व्ही. विद्युत लाइन से जी.आई. तार के माध्यम से अवैध हुकिंग पाए जाने की पुष्टि की। मौके का निरीक्षण करने पर लहुरसिंग के खेत में एक जंगली सुअर मृत अवस्था में मिला। मृत जंगली सुअर के पास से ही जी.आई. तार गुजरता हुआ पाया गया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि शिकार के लिए विद्युत करंट का उपयोग किया गया था।

पूछताछ में आरोपियों ने कबुला जुर्म

इस मामले में संदिग्ध अभियुक्त सुरेश बरिहा (उम्र 37 वर्ष), निवासी ग्राम वीरनारायणपुर और 5 वर्षीय अंजोर सिंह बिंझवार, निवासी ग्राम सोनाखान से पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने

वन्यप्राणी के शिकार के लिए विद्युत करंट लगाए जाने की बात स्वीकार की।

प्रकरण में वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 (संशोधित अधिनियम 2022) की धाराओं के उल्लंघन के तहत पी.ओ.आर. क्रमांक 16440/04 एक जनवरी को दर्ज किया गया। मृत जंगली सुअर का शव परीक्षण पशु चिकित्सा अधिकारी योगेश कुमार साहू, हसुआ द्वारा कराए जाने के बाद पंचनामा तैयार कर अग्रिम कार्रवाई की गई। वन विभाग द्वारा दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 3 जनवरी को कसडोल न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जहाँ से न्यायालय ने उन्हें न्यायिक रिमांड पर जिला जेल बलौदाबाजार भेज दिया है।

घर में सोता रहा परिवार, चोर उड़ा ले गए साढ़े 5 लाख के जेवरात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छाल थाना क्षेत्र के कूड़ेकेला में चोरों ने घर से साढ़े 5 लाख रुपए के सोने-चांदी व जेवरात पार कर दिए। पुलिस के अनुसार विनीत साव अपने छोटे भाई और मां के साथ बस स्टैंड के पास मुख्य मार्ग पर रहता है। शुक्रवार की रात 10 बजे वह दोस्त के साथ घरघोड़ा काम से गया था। घर में मां और छोटा भाई था। पत्नी भी नहीं थी।

रात करीब 11 बजे से रात 2 बजे के बीच घर में घुसे चोरों ने अलमारी से 5 लाख 86 हजार रुपए के सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए। रात में मां उठी, तो घर का दरवाजा खुला देखा। उसने बेटे से पूछा, तो उसने दरवाजा बंदकर बाहर जाने की जानकारी दी। इसके बाद वह लौटा, तो अलमारी का सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद चोरी की सूचना पुलिस को दी गई।

आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर पांच लोग नजर आए, जो कार से पहुंचे थे।

फिलहाल पुलिस आसपास की दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। जांच में सामने आया कि रात करीब 12:40 बजे गांव के बीच बस्ती से होकर सफेद कार में 5 लोग मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने पहले बगल के मकान की कुंडी लगाई। फिर विनीत साव के घर के बाहर लगे ताले को तोड़ा। घर के अंदर मोबाइल दुकान का काउंटर खंगाला। दुकान का सारा सामान बिखेर दिया। इसके बाद वे घर के अंदर गए और जेवरात चोरी किए।

नदी-नाले पार कर रोकी गई 12 वर्षीय बालिका की शादी

सुकमा को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के 'बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़' के विजन को धरातल पर उतारने के लिए सुकमा जिला प्रशासन ने मिसाल पेश की है। कलेक्टर अमित कुमार के कुशल मार्गदर्शन में, प्रशासन ने एक दुर्गम क्षेत्र में पहुंचकर न केवल एक मासूम का भविष्य बचाया, बल्कि समाज को कड़ा संदेश भी दिया है। दुर्गम रास्तों को मात देकर पहुंची रेस्क्यू टीम 2 जनवरी की सुबह प्रशासन को सूचना मिली कि सुकमा विकासखंड के ग्राम पंचायत रामाराम के अंतर्गत आने वाले सुदूर और पहुँचविहीन गांव नाड़ीगुफा में एक 12 वर्षीय बालिका का विवाह होने जा रहा है।

सूचना मिलते ही जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी शिवदास नेताम के नेतृत्व में जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड लाइन और सेक्टर सुपरवाइजर की एक संयुक्त टीम गठित की गई। गांव तक पहुंचने का रास्ता चुनौतियों से भरा था। टीम ने उफनते नदी-नालों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों की परवाह न करते हुए पैदल ही नाड़ीगुफा गांव तक का सफर

तय किया। कानूनी समझाइश और ग्रामीणों का सहयोग गांव पहुंचने पर टीम ने पाया कि स्थानीय रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह की तैयारियां पूर्ण कर ली गई थीं। अधिकारियों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए परिजनों और ग्रामीणों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों और इससे होने वाले कानूनी परिणामों की जानकारी दी। प्रशासन की प्रभावी समझाइश का सकारात्मक असर हुआ। परिजनों ने स्वेच्छा से विवाह रोकने का निर्णय लिया और ग्रामीणों की उपस्थिति में विधिवत पंचनामा तैयार किया गया। शिक्षा की ओर बढ़ते कदम केवल विवाह रोकना ही टीम का लक्ष्य नहीं था।

रेस्क्यू टीम में शामिल सदस्य कार्यवाही में संरक्षण अधिकारी (गैर संस्थागत देखरेख) मनीषा शर्मा, सेक्टर सुपरवाइजर निशा साहू, सामाजिक कार्यकता जोगेंद्र दिर्दो, लोकेश्वरी काउंसलर, चाइल्ड लाइन सुपरवाइजर मल्लिका सोड़ी, केश वर्कर मुड़ा पोडियामी एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

पत्नी के एक्सीडेंट की खबर सुन बाइक से निकले पति की हादसे में हो गई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। पत्नी के एक्सीडेंट की खबर सुनकर अपने दोस्तों के साथ घटनास्थल पर जा रहे पति को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दीं। हादसे में पति की मौत हो गई, वहीं बाइक में सवार दो लोगों को चोटें आई है। जिनका इलाज जारी है।

हादसा गुरुवार रात 8 बजे चिचोला के मरकाटोला के पास हुआ। बजरंगपुर नवागांव में रहने वाले 40 वर्षीय शोभित चंद्रवंशी का चिचोला के पूर्तामटोला पैत्रिक गांव है। जहां वे अपनी पत्नी और बेटे के साथ

आए थे। गुरुवार शाम शोभित की पत्नी अपने बेटे व एक अन्य रिश्तेदार के साथ नवागांव लौटने बाइक से निकली थी, तभी उन्हें एक अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। हादसे की खबर सुनते ही शोभित चंद्रवंशी अपने दो साथियों के साथ घटना स्थल पर जाने बाइक से निकले थे, तभी उन्हें मरकाटोला के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रुप से घायल शोभित को मेडिकल कॉलेज हास्पिटल रेफर किया गया, जहां पहुंचने से पहले उनकी मौत हो गई। इधर शोभित के दो साथी व कुछ देर पहले हुए हादसे में उनकी पत्नी को चोटें आई है।

नए साल के पहले दिन मोहला में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। दोनों आईटीआई के छात्र थे। हादसा गुरुवार शाम 7.30 बजे हुआ। ग्राम कंदाड़ी निवासी सेवन चिराम (22) और फकीर खरे (22) नए साल पर दोस्तों के साथ पिकनिक पर गए थे। जहां से देर शाम दोनों बाइक से लौट रहे थे।

तभी सड़क पर अंधेरे में खड़े ट्रक में उनकी तेज रफ्तार बाइक जा घुसी। दोनों के सिर व अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई थी।

किराना व्यवसायी के घर चोरी करने वाला पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर के थाना सिटी कोतवाली क्षेत्रांतर्गत एक किराना व्यवसायी के घर में चोरी करने वाले चोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का मोबाईल फोन व नगदी 12000 रूपये व चोरी के पैसों से खरीदा गया 2500 रुपये की सामग्री को जप्त किया है।

02जनवरी.2026 को प्रार्थी ईश्वर राम यादव निवासी कदमटोली जशपुर के द्वारा थाना सिटी कोतवाली जशपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि, उसका मिलन चौक जशपुर में किराना जनरल स्टोर है,लगभग 10 बजे वह अपनी दुकान बंद कर कदम टोली स्थित अपने घर गया था, व घर में अपनी पेंट को उतार कर कमरे की खूंटी में टांग दिया था, पेंट की जेब में दुकानदारी का 15000 रूपये नगद व एक 12000 रूपये कीमत का वीवो कंपनी का मोबाइल फोन था, 02.जनवरी 26 की प्रात: करीबन 6 बजे वह उठकर देखा तो पाया कि, उसकी पेंट घर के आंगन में पड़ी हुई थी, व उसमें रखी हुई 15000 रूपये नगद व 12000 रूपये का मोबाइल फोन को किसी के द्वारा चोरी कर ले जाया गया था।

थाना सिटी कोतवाली जशपुर में चोरी के लिए बी एन एस की धारा 331(4),305 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया था। घटना स्थल का निरीक्षण किया गया ,साथ ही पुलिस की मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए, सम्भावित संदिग्धों से भी पूछताछ की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबीर से पता चला कि गाढ़ा टोली निवासी संदिग्ध रोशन भारती, एक मोबाइल फोन को बिक्री करने हेतु ग्राहक तलाश कर रहा है, जिस पर पुलिस के द्वारा संदेह के आधार पर उक्त आरोपी रोशन भारती को उसके घर से हिरासत में लिया गया, तलाशी लेने पर आरोपी चोर रोशन भारती के पास से चोरी की उक्त मोबाईल फोन मिली, जिसे पुलिस के द्वारा जप्त कर लिया गया, पुलिस की पूछताछ व आरोपी चोर रोशन भारती की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की 12000 रु नगद व चोरी की रकम से खरीदी गई,2500 रूपये की सामग्री को भी बरामद कर लिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

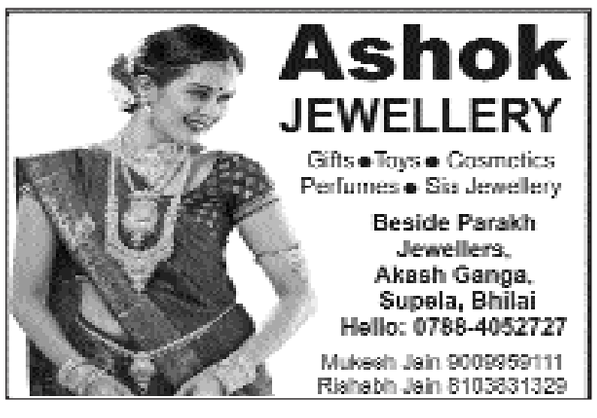

मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रपति मुर्मु से की मुलाकात, 'बस्तर पंडुम 2026' में किया आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय जनजातीय सांस्कृतिक महोत्सव 'बस्तर पंडुम 2026' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रपति को बस्तर अंचल की समृद्ध जनजातीय कला, संस्कृति, परंपराओं एवं लोक जीवन से अवगत कराते हुए कहा कि बस्तर पंडुम राज्य की जनजातीय विरासत के संरक्षण, संवर्धन और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह आयोजन तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसका अंतिम चरण फरवरी 2026 में बस्तर में संपन्न होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रपति को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, बुनियादी ढांचे के विस्तार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनकी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने जनजातीय संस्कृति से जुड़े इस आयोजन की सराहना करते हुए बस्तर पंडुम 2026 के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

उल्लेखनीय है कि बस्तर पंडुम 2026 के माध्यम से लोकनृत्य, लोकगीत, पारंपरिक वाद्ययंत्र, हस्तशिल्प, जनजातीय व्यंजन, वेशभूषा सहित विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सशक्त सामाजिक सुरक्षा तंत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और समग्र कल्याण के प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध है। समाज कल्याण विभाग के माध्यम से राज्य में वृद्धजनों के लिए सुनियोजित, व्यापक एवं सतत सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ पात्र वरिष्ठ नागरिकों को बिना किसी पृथक सीनियर सिटीजन कार्ड के उपलब्ध कराया जा रहा है।

राज्य शासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए अलग पहचान पत्र की आवश्यकता नहीं है, बल्कि आधार कार्ड एवं अन्य वैध दस्तावेजों के माध्यम से आयु एवं पात्रता का सत्यापन कर योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इससे प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और सुगम बनी है।

26 वृद्धाश्रमों के माध्यम से सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन

राज्य में वर्तमान में 26 वृद्धाश्रम संचालित हैं, जहाँ निराश्रित, असहाय एवं देखभाल की आवश्यकता वाले वृद्धजनों को नि:शुल्क आवास, पौष्टिक भोजन, वस्त्र एवं आवश्यक

मूलभूत सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। यह व्यवस्था ऐसे वरिष्ठ नागरिकों के लिए संबल बनी है, जिनके पास पारिवारिक या सामाजिक सहारा उपलब्ध नहीं है।

13 प्रशामक गृहों में विशेष देखभाल

गंभीर रोगों से ग्रस्त एवं बिस्तर पर आश्रित वृद्धजनों के लिए राज्य में 13 प्रशामक गृह संचालित किए जा रहे हैं। यहाँ उन्हें नि:शुल्क आवास, निरंतर देखभाल, उपचार सहयोग एवं सहायक सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे अत्यंत संवेदनशील वृद्धजनों को मानवीय और सम्मानजनक जीवन मिल सके।

वृद्धावस्था पेंशन से आर्थिक संबल

सामाजिक सुरक्षा के तहत समाज कल्याण विभाग द्वारा बीपीएल एवं एसईसीसी वंचन समूह के पात्र वृद्धजनों को 500 रुपए प्रतिमाह तथा 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के वृद्धजनों को 680 रुपए प्रतिमाह वृद्धावस्था पेंशन नियमित रूप से दी जा रही है। यह पेंशन वृद्धजनों को न्यूनतम आर्थिक सुरक्षा और आत्मसम्मान के साथ जीवन यापन में सहायक सिद्ध हो रही है।

सहायक उपकरण और तीर्थ यात्रा से जीवन में नई ऊर्जा

राज्य शासन द्वारा आवश्यकता के अनुरूप वृद्धजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे वे दैनिक जीवन में अधिक आत्मनिर्भर बन सकें। साथ ही, वरिष्ठ नागरिकों के सामाजिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक सशक्तिकरण के लिए 19 प्रमुख तीर्थ स्थलों की तीर्थ यात्रा योजना भी संचालित की जा रही है।

समग्र संरक्षण की दिशा में निरंतर प्रयास

छत्तीसगढ़ शासन का स्पष्ट संदेश है कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए समग्र सामाजिक सुरक्षा, संरक्षण और सहभागिता सुनिश्चित करना राज्य की प्राथमिकता है। पेंशन, आवास, स्वास्थ्य देखभाल, सहायक सुविधाएँ और सामाजिक जुड़ाव के माध्यम से राज्य अपने वरिष्ठ नागरिकों को गरिमापूर्ण, सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

धान खरीदी व्यवस्था से किसानों को राहत

श्रीगढ़ के लघु किसान मनोज राजवाड़े ने की खरीदी व्यवस्था की सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। जिले के धान उपार्जन केंद्रों में लागू पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था से किसानों को धान विक्रय में बड़ी सुविधा मिल रही है। अंबिकापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत श्रीगढ़ के लघु वर्ग के किसान मनोज राजवाड़े ने बताया कि इस वर्ष अच्छी बारिश होने के कारण धान की उपज बेहतर हुई है।

श्री राजवाड़े ने बताया कि वे करीब साढ़े 4 एकड़ में धान की खेती करते हैं, जिसमें उनका कुल 86.20 क्विंटल धान का रकबा है। उन्होंने समिति के माध्यम से धान विक्रय हेतु टोकन कटवाया, जिसमें किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि टोकन व्यवस्था पूरी तरह सरल और किसान हितैषी है।

उन्होंने बताया कि खैरबार धान उपार्जन केंद्र पहुंचते ही गेट पास की प्रक्रिया, नमी परीक्षण और

तत्काल बारदाना उपलब्ध करा दिया गया, जिससे धान विक्रय में किसी तरह की दिक्कत नहीं आई। समिति केंद्र में किसानों की सुविधा के लिए पेयजल, छाया और बैठने की समुचित व्यवस्था भी उपलब्ध है, जिससे प्रतीक्षा के दौरान किसानों को राहत मिलती है।

मनोज राजवाड़े ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार में धान का सर्वाधिक मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक की खरीदी की जा रही है, जिससे किसानों को लाभ मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि धान के साथ-साथ गेहूं, तिलहन और सब्जी जैसी अन्य फसलों की खेती से भी अच्छी आमदनी हो रही है। उन्होंने धान खरीदी व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

डिजिटल व्यवस्था और सतत निगरानी से धान खरीदी अभियान को मिली गति

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। जिले में चल रहे धान खरीदी अभियान को डिजिटल प्रणाली, पारदर्शी प्रक्रियाओं और प्रशासनिक निगरानी के कारण नई गति मिली है। छत्तीसगढ़ शासन की निर्देशानुसार किसानों को त्वरित और सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराते हुए अब तक जिले में 16,82,027.20 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है।

वहीं खरीदे गए धान में से 1,97,270 क्विंटल धान का उठाव कर लिया गया है। धान खरीदी अभियान के तहत जिले में कुल 60,329 किसान पंजीकृत हैं। इनमें से 28,870 किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान विक्रय कर शासन

जिले में 16 लाख 82 हजार क्विंटल से अधिक धान की खरीदी, 28 हजार 870 किसानों ने समर्थन मूल्य पर बेचा धान

की योजना का लाभ प्राप्त किया है। उपार्जन केंद्रों में डिजिटल टोकन आधारित व्यवस्था से भीड़ प्रबंधन बेहतर हुआ है और किसानों को तय समय पर धान विक्रय की सुविधा मिल रही है।

धान खरीदी के साथ-साथ रकबा समर्पण की प्रक्रिया भी नियमानुसार संचालित की जा रही है। जिले में 7,178 किसानों द्वारा स्वेच्छा से रकबा समर्पण किया गया है, जिसमें कुल 387.45 हेक्टेयर रकबा शामिल है। यह प्रक्रिया पारदर्शिता और नियमन के प्रति किसानों की जागरूकता को दर्शाती है।

धान उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था, नमी परीक्षण, गेट पास तथा समय पर बारदाना उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा निरंतर निगरानी के साथ समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है, जिससे पूरी व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो रही है। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं जारी टोकन के अनुसार ही उपार्जन केंद्रों में पहुंचें और शासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाएं।

आजीविका डबरी: छोटे किसानों की आत्मनिर्भरता की नई राह

मेहनत से बदली किस्मत, रैनधर राणा को मत्स्य पालन से मिली 50 हजार रुपये की अतिरिक्त आय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से बीजापुर जिले में महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत आजीविका डबरी निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा लगभग 1,000 आजीविका डबरियों को स्वीकृत करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष 2025-26 में अब तक 9 करोड़ 75 लाख रुपये की लागत से 431 आजीविका डबरियाँ स्वीकृत की जा चुकी हैं।

आजीविका डबरियों के निर्माण से न केवल सिंचाई सुविधा का विस्तार हुआ है, बल्कि जल संरक्षण और भू-जल संवर्धन को भी बढ़ावा मिला है। इन डबरियों के माध्यम से किसान सिंचाई, बागवानी और मत्स्य पालन जैसी गतिविधियों से अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं।

मेहनत ने लिखी सफलता की कहानी:

बीजापुर जिले की ग्राम पंचायत गंगालूर के किसान रैनधर राणा ने आजीविका डबरी का सफल उपयोग कर एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपनी डबरी में मत्स्य पालन कर लगभग 50,000 रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त की है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी 1 एकड़ कृषि भूमि में लगभग 25 मिश्रित फलदार पौधों का रोपण किया है, जिनमें आम और अमरूद प्रमुख हैं।

तकनीकी सहायक तोरण लाल उर्वशा ने बताया कि श्री रैनधर राणा द्वारा वर्ष 2021-22 में 1 लाख 60 हजार रुपये की लागत से आजीविका डबरी का निर्माण कराया गया था। यह डबरी अब उनकी आय वृद्धि और आत्मनिर्भरता का प्रमुख साधन बन चुकी है। डबरी का आकार 20 मीटर लंबाई, 20 मीटर चौड़ाई और 2.5 मीटर गहराई का है। वर्तमान में आजीविका और मत्स्य पालन को ध्यान में रखते हुए 3 मीटर गहराई की डबरियाँ निर्मित की जा रही हैं। रोजगार सहायक प्रताप सेमल ने बताया कि डबरी निर्माण कार्य के दौरान लगभग 800 मानव-दिवस का रोजगार सृजित हुआ। महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत निर्मित आजीविका डबरियाँ ग्रामीण किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने और सतत कृषि को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। यह योजना छोटे किसानों के लिए आत्मनिर्भरता की नई राह बनकर सामने आ रही है।

बिहान से व्यवसाय तक: सेंट्रिंग प्लेट के माध्यम से जामुन साहू बनीं आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की सशक्त मिसाल बन रही है। यह योजना न केवल महिलाओं को संगठित कर रही है, बल्कि उन्हें स्वरोजगार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाकर आत्मनिर्भर भी बना रही है।

इसी का प्रेरक उदाहरण हैं धमतरी जिले के ग्राम पंचायत लिमतरा की जय शिव शक्ति स्व-सहायता समूह की सदस्य जामुन साहू, जिन्होंने सेंट्रिंग प्लेट के व्यवसाय को अपनाकर आर्थिक सशक्तिकरण की नई कहानी लिखी है। जामुन साहू बिहान योजना से जुड़कर स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्य बनीं। वे आंचल महिला संकुल स्तरीय संगठन सम्बलपुर से भी जुड़ी रहीं और समूह के माध्यम से रिसोर्स बुक कीपर के रूप में कार्य किया। इस दौरान उन्हें आजीविका के नए अवसरों को समझने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। निरंतर सीखने की जिज्ञासा और कुछ नया करने के संकल्प ने उन्हें सेंट्रिंग प्लेट के व्यवसाय की ओर अग्रसर किया। जामुन साहू ने समूह के सहयोग से 10 हजार रुपये का बैंक ऋण तथा 60 हजार रुपये का कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड ऋण प्राप्त कर लगभग 3 हजार वर्गफीट सेंट्रिंग प्लेट खरीदी। वे इन सेंट्रिंग प्लेटों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बन रहे पक्के मकानों के निर्माण हेतु किराये पर उपलब्ध कराती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पक्के मकानों की संख्या बढ़ने से सेंट्रिंग प्लेट की मांग लगातार बढ़ रही है, जिसका सीधा लाभ उनके व्यवसाय को मिल रहा है। आज स्थिति यह है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गांव में बन रहे आवासों के लिए उन्हें पहले से एडवांस बुकिंग मिलने लगी है। इससे श्रीमती साहू को वर्षभर में औसतन लगभग डेढ़ लाख रुपये तक की अतिरिक्त आमदनी हो रही है। इस आय से उन्होंने समय पर बैंक ऋण का भुगतान कर दिया है और परिवार की आर्थिक स्थिति को भी सुदृढ़ बनाया है।

साथ ही यह व्यवसाय स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित कर रहा है। प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। जामुन साहू बताती हैं कि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि भी मिल रही है, जिससे वे घरेलू आवश्यकताओं और छोटे खर्चों का प्रबंधन सहजता से कर पा रही हैं। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने इस सफलता पर कहा कि बिहान योजना के माध्यम से महिलाओं में उद्यमशीलता की भावना विकसित हो रही है। जामुन साहू जैसी महिलाएं यह सिद्ध कर रही हैं कि सही मार्गदर्शन, वित्तीय सहयोग और आत्मविश्वास से ग्रामीण महिलाएं भी सफल उद्यमी बन सकती हैं।

जिला प्रशासन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु हरसंभव सहयोग करता रहेगा। जामुन साहू न केवल अपने परिवार के लिए संबल बनी हैं, बल्कि आसपास की अनेक महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत भी बन गई हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना से आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को मिला पक्का घर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना ने देशभर में आवासहीन परिवारों के लिए नई उम्मीदें जगाई हैं। मनोरा विकासखंड के ग्राम पंचायत बुमतेल निवासी प्रदीप राम उरांव पिता श्री राम जन योजना से लाभान्वित होकर अपने पक्के मकान के सपने को साकार कर रहे हैं। खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले श्री प्रदीप का जीवन कच्चे घर में अनेक कठिनाइयों से गुजरता था। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता था, हर वर्ष घर की मरम्मत करनी पड़ती थी और बच्चों की पढ़ाई में भी बाधाएँ आती थीं। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत उन्हें 1.20 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह आवास उनके परिवार के लिए एक स्थायी और सुरक्षित आश्रय साबित होगा। सिर्फ आवास ही नहीं, बल्कि शासन की अन्य योजनाओं का भी लाभ श्री प्रदीप को मिल रहा है। उन्हें राशन कार्ड के माध्यम से सस्ती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध हो रहा है और आयुष्मान भारत कार्ड के जरिए परिवार को स्वास्थ्य सुरक्षा प्राप्त है। इन योजनाओं ने उनके जीवन को और अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाया है।

प्रदीप राम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना हमारे जैसे गरीब परिवारों के लिए वरदान है। इस योजना ने हमें सुरक्षित छत, स्वास्थ्य सुरक्षा और खाद्यान्न की सुविधा देकर वह सम्मान दिया है जिसकी कल्पना हमने वर्षों से की थी। प्रधानमंत्री आवास योजना केवल पक्का घर बनाने की योजना नहीं है।

मयाली में एटीवी राइडिंग, स्पीड बोटिंग, कायकिंग व क्रिकेट के साथ इको-टूरिज़्म का अनूठा उत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। नया साल 2026 के पावन अवसर पर जशपुर वनमण्डल द्वारा मयाली नेचर कैम्प में पर्यटकों के लिए रोमांचक एडवेंचर एवं इको-टूरिज़्म गतिविधियों का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन वन विभाग द्वारा वन प्रबंधन समितियों के सहयोग से किया जा रहा है।

जिसका उद्देश्य पर्यटकों को सुरक्षित, पर्यावरण-अनुकूल तथा प्रकृति के बीच यादगार अनुभव प्रदान करना है। घने वनों, शांत जलाशय और हरियाली से आच्छादित मयाली नेचर कैम्प में इस नववर्ष पर साहसिक गतिविधियों की विशेष श्रृंखला तैयार की गई है। यहाँ आने वाले पर्यटक स्पीड बोटिंग, कायकिंग, एटीवी राइडिंग

तथा क्रिकेट जैसी रोमांचक गतिविधियों का आनंद उठा सकेंगे। इन सभी गतिविधियों के लिए नाममात्र शुल्क मात्र 100 रुपये प्रति गतिविधि निर्धारित किया गया है, जिससे

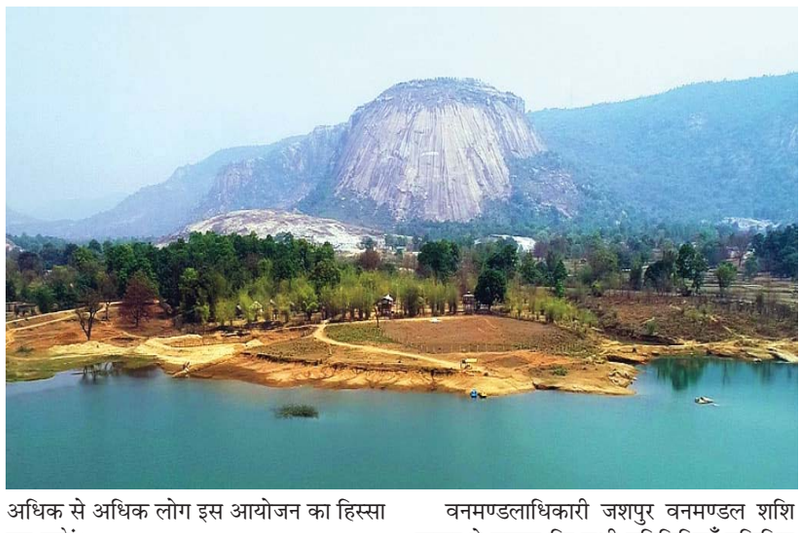

अधिक से अधिक लोग इस आयोजन का हिस्सा बन सकें।

वनमण्डलाधिकारी जशपुर वनमण्डल शशि कुमार ने बताया कि सभी गतिविधियाँ प्रशिक्षित कर्मियों की निगरानी में एवं पूर्ण सुरक्षा मानकों के साथ संचालित की जाएंगी। इससे पर्यटकों को न केवल रोमांच का अनुभव मिलेगा, बल्कि वे पूरी तरह सुरक्षित माहौल में प्रकृति के करीब समय भी बिता सकेंगे। मयाली नेचर कैम्प का यह आयोजन इको-टूरिज़्म को बढ़ावा देने, स्थानीय वन समितियों को रोजगार उपलब्ध कराने तथा जिले के पर्यटन को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह स्थान उन लोगों के लिए आदर्श है जो नए साल का स्वागत प्राकृतिक सौंदर्य, रोमांच और सुकून के संग करना चाहते हैं। वन विभाग जशपुर द्वारा सभी नागरिकों एवं पर्यटकों से अपील की गई है कि वे नववर्ष के अवसर पर अपने परिवार एवं मित्रों के साथ मयाली नेचर कैम्प में पधारें। इन आकर्षक गतिविधियों का भरपूर आनंद लें तथा स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950